● सीधी, सिंगरौली,मऊगंज, रीवा एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित ● website-https://vindhyatiger.in ● epaper-https://epaper.vindhyatiger.in ● वर्ष : 37, अंक 170, पृष्ठ : 08, सीधी, मंगलवार , 29 जुलाई 2025 - मूल्य : 2.00 रुपया मात्र

दैनिक समाचार पत्र

विन्ध्य टाइगर

हक की बात, बुलंदी के साथ

धर्मांतरण पर नया कानून ला रही छग सरकार 5

बयान देने पर बुरी तरह फंसे गांगुली 6

सेवा के संकल्प से प्रारंभ की निःशुल्क शव वाहन सेवा : डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने जिलों के लिए भिजवाए वाहन, प्रदेश के सभी जिलों के लिये 148 वाहनों की व्यवस्था

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोमवार को लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा जिलों के लिए आरंभ की गई शव वाहन व्यवस्था के तहत प्रदेश के विभिन्न जिलों के लिए वाहन रवाना किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मुख्यमंत्री निवास परिसर से झंडी दिखाकर जिलों के लिए निःशुल्क शव वाहन भेजने के अवसर पर कहा कि मनुष्यता, सेवा भाव और समाज के गरीब वर्ग सहित अन्य जरूरतमंदों के लिए निःशुल्क शव वाहन सेवा प्रारंभ की जा रही है। सेवा के संकल्प के अंतर्गत जिला चिकित्सालयों के लिए दो वाहन और चिकित्सा महाविद्यालयों वाले जिलों के लिए चार शव वाहन की व्यवस्था करते हुए प्रदेश में कुल 148 शव वाहनों का

संचालन प्रारंभ किया गया है। इस व्यवस्था से परिवहन सुविधा प्राप्त होने पर दिवंगत व्यक्ति की देह को ससम्मान गंतव्य स्थान तक पहुंचाने में सुविधा होगी। यह सेवा 24 घंटे उपलब्ध रहेगी, जिसमें वाहन चालक की उपस्थिति सुनिश्चित की जाएगी। शव वाहन का संचालन राज्य सरकार द्वारा संचालित शासकीय चिकित्सा संस्थानों में ही मृत्यु के प्रकरणों में उपयोग किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कई प्रकार की जनहितैषी और जनकल्याणकारी योजनाएं राज्य सरकार ने शुरू की हैं। निःशुल्क शव वाहन सेवा एक अत्यंत संवेदनशील और बड़ी योजना है जो राज्य सरकार ने शुरू की है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने जन हितैषी योजनाओं के माध्यम से समाज के हर सुख-दुख में साथ खड़े रहने का कार्य किया है। गरीब, युवा, महिला, किसान सभी के कल्याण के लिए केंद्र और राज्य सरकार कार्य कर रही है। जहां गंभीर रोगियों और दुर्घटनाग्रस्त नागरिकों को बड़े चिकित्सा संस्थान तक उपचार के लिए अविलम्ब भेजने के उद्देश्य से पीएमश्री एम्बुलेंस सेवा संचालित है वहीं राहगीर योजना में दुर्घटना होने के एक घंटे की भीतर गंभीर घायल को अस्पताल पहुंचाकर उसकी जीवन रक्षा करने वाले सहयोगी नागरिक को 25 हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि देने की व्यवस्था की गई है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि निःशुल्क शव वाहन की सेवा के प्रारंभ होने से निर्धन वर्ग को विशेष मदद मिलेगी। जब सभी प्रयासों के बाद मनुष्य का जीवन नहीं बच पाता है और परिवार संकट की स्थिति में रहता है तो सबसे पहले उसे अपने परिवार के व्यक्ति के पार्थिव शरीर को निवास स्थान ले जाना होता है। नागरिकों को अक्सर यह तकलीफ उठानी पड़ती है जब पार्थिव शरीर को घर ले जाने के लिए कोई वाहन या अन्य प्रबंध न हो। इस सेवा के प्रारंभ होने से जनजागरूकता भी आएगी और सरकार का सेवा का संकल्प पूरा होगा।

22 अप्रैल से 17 जून तक पीएम मोदी और ट्रंप के बीच कोई बातचीत नहीं हुई

लोकसभा में विदेश मंत्री एस जयशंकर की दो टूक

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने लोकसभा में साफ किया कि 22 अप्रैल से 17 जून के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच कोई सीधी बातचीत नहीं हुई। जयशंकर ने यह भी खुलासा किया कि पाकिस्तान पर भारत के जवाबी हमलों के बाद भारत को ऐसे फोन कॉल आए, जिनसे संकेत मिलने लगे थे कि पाकिस्तान अब हार मान चुका है। हालांकि, भारत ने साफ किया कि ऐसा कोई भी अनुरोध पाकिस्तान के सैन्य अभियान महानिदेशक की ओर से औपचारिक रूप से आना चाहिए था। इसलिए हमने पाकिस्तान की ओर से गुहार लगाए जाने के बाद ही अपनी कार्रवाई पर ब्रेक लगाया।

बोलते हुए विदेश मंत्री डॉ. एस

सदन में ऑपरेशन सिंदूर पर जयशंकर ने कहा कि पहलगाम हमले के बाद एक स्पष्ट, मजबूत और दृढ़ संदेश भेजना जरूरी था। हमारी धैर्य की सीमाएं पार की गई थीं, सीमा लांघ दी गई थी और हमें यह स्पष्ट करना था कि इसके गंभीर परिणाम होंगे। पहला कदम- जो उठाया गया, वह यह था कि 23 अप्रैल को सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति की बैठक हुई। उस बैठक में यह निर्णय लिया गया कि- विदेश मंत्री ने यह भी कहा, यह बिल्कुल स्पष्ट था कि सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति की ओर से अनुमोदित पहले कदमों के बाद पहलगाम हमले पर भारत की प्रतिक्रिया यहीं नहीं रुकेगी। कूटनीतिक दृष्टिकोण से, विदेश नीति के दृष्टिकोण से, हमारा काम पहलगाम हमले की वैश्विक समझ को आकार देना था।

हमने जो करने की कोशिश की, वह यह था कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय के सामने पाकिस्तान की ओर से सीमा पार आतंकवाद के लंबे समय से इस्तेमाल को उजागर किया जाए। हमने पाकिस्तान में आतंकवाद के इतिहास को उजागर किया और बताया कि कैसे इस हमले का उद्देश्य जम्मू-कश्मीर की अर्थव्यवस्था को निशाना बनाना और भारत के लोगों के बीच सांप्रदायिक कलह फैलाना था।

बंगाली प्रवासियों पर हमलों के खिलाफ सीएम ममता का विरोध मार्च

कहा-बंगाल में नहीं लागू होगी एनआरसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को बीरभूम जिले के बोलपुर से बंगाली प्रवासियों पर कथित हमलों के विरोध में भाषा आंदोलन की शुरुआत की। उन्होंने एलान किया कि मैं अपनी जान दे दूंगी, लेकिन मेरी भाषा को कोई छीन ले, यह मैं नहीं होने दूंगीं। ममता बनर्जी ने कहा, वह देश में भाषा के आधार पर विभाजन नहीं चाहती हैं। उन्होंने कहा कि आप सब कुछ भूल सकते हैं, लेकिन अपनी अस्मिता, मातृभाषा और मातृभूमि को नहीं भूलना चाहिए।

एकता और संवैधानिक बहुलवाद पर जोर देते हुए तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी ने कहा, एकता हमारी ताकत है। हम भाषा के आधार पर विभाजन नहीं चाहते...हम एकता चाहते हैं। उन्होंने आगे कहा, आप सब कुछ भूल सकते हैं, लेकिन अपनी अस्मिता, मातृभाषा और मातृभूमि को नहीं भूलना चाहिए।

सीएम ममता ने कहा कि मैं किसी भाषा या विभाजनकारी नीति के खिलाफ नहीं हूं। हम विविधता में एकता चाहते हैं। क्या मैंने हिंदी भाषी लोगों को बंगाल छोड़ने के लिए कहा है? मैंने ऐसा कभी नहीं कहा। आप भी मेरे दोस्त हैं अगर हम बंगाल में 1.5 करोड़ प्रवासी कामगारों को आश्रय दे सकते हैं, तो आप अन्य राज्यों में काम कर रहे 22 लाख बंगाली प्रवासियों को क्यों नहीं स्वीकार कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि बंगाली दुनिया में पांचवीं सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है।

चार बार के विधायक प्रकाश सोलंके का छलका दर्द

मुंबई। महाराष्ट्र में बीड जिले के माजलगांव से एनसीपी विधायक प्रकाश सोलंके ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि उन्हें मंत्री पद से इसलिए नजरअंदाज किया गया क्योंकि वे मराठा समुदाय से आते हैं। सोलंके ने कहा कि एनसीपी को बीड जिले में ताकत मराठा समाज ने ही दी, लेकिन जब मंत्री पद या गार्जियन मंत्री की बात आती है तो मराठाओं को अनदेखा कर दिया जाता है। बीड में पत्रकारों से बात करते हुए सोलंके ने दावा किया कि वे चार बार से विधायक हैं, फिर भी मंत्री पद से वंचित हैं। उन्होंने कहा कि एनसीपी ने पिछले 45 वर्षों से बीड जिले में ओबीसी और पिछड़े वर्गों को प्राथमिकता दी है, लेकिन मराठा समुदाय को हमेशा किनारे रखा गया।

चुनाव से पहले झूठी कहानियां गढ़ रहा विपक्ष : फडणवीस

बोले-विकास के मुद्दों पर नहीं कर सकता मुकाबला

वर्धा (महाराष्ट्र)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सोमवार को कहा कि जैसे ही चुनावी करीब आते हैं, विपक्ष दल झूठ और गलत जानकारी फैलाने का अभियान शुरू कर देते हैं, क्योंकि वे सरकार के विकास कार्यों का मुकाबला नहीं कर सकते। फडणवीस वर्धा के विदर्भ क्षेत्र में भाजपा कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा, महाराष्ट्र विशेष लोक सुरक्षा विधेयक की आलोचना करने वाले 99 फीसदी लोगों ने उसे पढ़ा ही नहीं है, फिर भी वे उसका विरोध कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 2014 के बाद से हमने

हर शहर का चेहरा बदल दिया है। हमें यह याद रखना चाहिए कि हमारे विरोधी विकास के मुद्दे पर हमारे सामने टिक नहीं सकते। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जो विकास हुआ है, उसका वे मुकाबला नहीं कर सकते। इसलिए वे रोज झूठी कहानी गढ़ते हैं और गलत जानकारी फैलाते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा, विपक्ष विकास से जुड़ी बातों पर बहस नहीं करना चाहता, क्योंकि उसे मालूम है कि अगर ऐसा हुआ तो जनता उनसे सवाल पूछेगी कि जब वे सत्ता में थे तब उन्होंने क्या किया। उन्होंने महाराष्ट्र विशेष लोक सुरक्षा विधेयक का उदाहरण देते हुए कहा कि विपक्ष इसे असांविधानिक और लोगों की आवाज दबाने वाला विधेयक बता रहा है, जबकि हकीकत इसके विपरीत है। फडणवीस ने बताया, इस विधेयक को लेकर सरकार ने सभी दलों के नेताओं को शामिल करते हुए एक समिति बनाई थी। चर्चा केबाद इसे सर्वसम्मति से विधानसभा में पारित किया गया।

संसद में उठा भारत-पाकिस्तान मैच का मुद्दा

नई दिल्ली। संसद में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के दौरान भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले मैच का मुद्दा उठाया गया। शिवसेना सांसद अरविंद सावंत ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में हमने पाकिस्तान को धूल चटाई। हम पाकिस्तान के साथ कोई भी नाता नहीं रख रहे, फिर हम उनके साथ क्रिकेट मैच क्यों खेलने जा रहे। हमें उनके साथ नहीं खेलना चाहिए।

देश को ऑपरेशन तंदूर चाहिए था, सिंदूर नहीं : राजभर

नई दिल्ली। समाजवादी पार्टी के सांसद रमाशंकर राजभर ने सोमवार को लोकसभा में कहा कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद देश ऑपरेशन तंदूर चाहता था, ताकि इसके जिम्मेदार आतंकवादियों को भून दिया जाए। देश ऑपरेशन सिंदूर नहीं, ऑपरेशन तंदूर चाहता था। पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर पर निचले सदन में बहस के दौरान बोलते हुए उन्होंने सरकार पर निर्णायक कार्रवाई करने में विफल रहने का आरोप लगाया।

उन्होंने ऑपरेशन में देरी पर सवाल उठाते हुए कहा कि जो मिशन तीन दिनों में शुरू हो जाना चाहिए था, वह 17 दिनों के बाद पूरा किया गया। उन्होंने कहा, देश पहलगाम हमले को लेकर इतना गुस्से में था कि तीसरे दिन तक लोग ऑपरेशन सिंदूर नहीं, बल्कि ऑपरेशन तंदूर चाहते थे, यानी आतंकवादियों को तंदूर में झोंक देना।

देश में सामान्य से 7 फीसदी अधिक वर्षा, मौसम विभाग ने जारी किए आंकड़े

नई दिल्ली। देश में इस समय अलग-अलग हिस्सों में जमकर बारिश हो रही है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने अभी तक हुई बारिश का आंकड़ा जारी किया है। आईएमडी के मुताबिक, भारत में इस वर्ष 1 जून से मॉनसून की शुरुआत के बाद अब तक सामान्य से 7 प्रतिशत अधिक वर्षा दर्ज की गई है, लेकिन बारिश का वितरण राज्यों में असमान रहा है।

आईएमडी के अनुसार, अब तक 447.8 मिमी बारिश दर्ज की गई है, जबकि सामान्य औसत

418.9 मिमी है। हालांकि क्षेत्रीय स्तर पर बारिश के आंकड़ों में काफी भिन्नता देखी गई है। आईएमडी के आंकड़ों के अनुसार, राजस्थान, लद्दाख, नागालैंड, मणिपुर और सिक्किम में सामान्य से बहुत अधिक वर्षा दर्ज की गई है। जिसे लार्ज एक्सेस रेनफॉल की श्रेणी में रखा गया है।

राजस्थान में अब तक 384.7 मिमी वर्षा हुई है, जबकि वहां की सामान्य वर्षा 200.4 मिमी होती है। जो 92 प्रतिशत अधिक है। इसी तरह लद्दाख में जहां आमतौर पर कम बारिश होती है। वहां 10.7 मिमी के मुकाबले 30 मिमी बारिश हुई, जो सामान्य से 181 प्रतिशत अधिक है। नागालैंड और मणिपुर में क्रमशः 514.5 मिमी और 457.9 मिमी वर्षा हुई, जो सामान्य के करीब है। जबकि सिक्किम में 598.4 मिमी वर्षा दर्ज की गई। जो सामान्य से 78 प्रतिशत अधिक है।

जिन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में अधिक वर्षा (सामान्य से 20 से 59 प्रतिशत अधिक) हुई है। उनमें मध्य प्रदेश, गुजरात, दादरा और नगर हवेली तथा दमन और दीव, झारखंड और असम शामिल हैं। मध्य प्रदेश में अब तक 645.8 मिमी वर्षा दर्ज की गई, जो सामान्य से 54 प्रतिशत अधिक है। सामान्य वर्षा 418.4 मिमी होती है।

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में बाघ शिकार का खुलासा, तीन आरोपी गिरफ्तार

उमरिया। उमरिया के बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व (बीटीआर) से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां एक बाघ के शिकार की पुष्टि हुई है। इस गंभीर वन्यजीव अपराध में अब तक तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है, जबकि दो अन्य अभी भी फरार हैं। रविवार को गिरफ्तार आरोपी हरदुल बैगा से पूछताछ के बाद शिकार की पूरी कहानी सामने आई है, जिसने वन विभाग को सकते में डाल दिया है। शिकार की जानकारी वन विभाग को एक मुखबिर से मिली, जिसके बाद धमोखर रेंज के ग्राम रोहनिया में दबिश दी गई। यहां हरदुल बैगा के घर से बाघ के जबड़े, 13 नाखून, एक कैनाइन (दांत) और तीन अन्य दांत बरामद किए गए। बरामदगी के बाद विभाग में अलर्ट जारी कर दिया गया है और पूरे मामले को प्राथमिकता से जांचा जा रहा है। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के क्षेत्र संचालक डॉ. अनुपम सहाय ने जानकारी दी कि हरदुल बैगा ने पूछताछ के दौरान माना कि इस घटना में कुल पांच लोग शामिल थे।

मप्र के नेता विजय शाह की नीयत पर संदेह, अदालत ने कहा- 13 अगस्त तक जांच रिपोर्ट दे एसआईटी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को मध्य प्रदेश सरकार के मंत्री विजय शाह को कड़ी फटकार लगाई है। कारण है कि उन्होंने भारतीय सेना की महिला अधिकारी कर्नल सोफिया कुरैशी पर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी और अब तक उसके लिए सार्वजनिक रूप से माफी नहीं मांगी। मामले में सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि मंत्री विजय शाह का व्यवहार संदेह पैदा करता है कि क्या उन्होंने जानबूझकर यह टिप्पणी की थी और अब माफी न मांगकर अपनी गलती नहीं मान रहे हैं। कोर्ट ने कहा कि इससे मंत्री की नीयत और ईमानदारी पर सवाल उठते हैं।

13 फीसदी आरक्षण अनहोल्ड कराने ओबीसी समाज का प्रदर्शन

सीएम हाउस घेरने जा रहे कार्यकर्ताओं को पुलिस ने रोका

भोपाल। मध्य प्रदेश में 13व ओबीसी आरक्षण अनहोल्ड कराने के लिए ओबीसी महासभा का उग्र प्रदर्शन सोमवार को राजधानी में हुआ। कार्यकर्ता मुख्यमंत्री निवास का घेराव करने के लिए निकले थे, लेकिन पुलिस ने उन्हें रंगमहल टॉकीज के पास ही रोक दिया। इस दौरान तेज बारिश होती रही, लेकिन ओबीसी कार्यकर्ता सड़कों पर डटे रहे और सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते रहे।ओबीसी कार्यकर्ताओं कहना है कि मध्य प्रदेश सरकार में 13 परसेंट आरक्षण होल्ड कर रखा है वह न्याय उचित नहीं है। कई सारे विद्यार्थी हैं जो इस 13व होल्ड के कारण ओवर ऐज हो चुके हैं बेरोजगारी की गंभीर समस्या से जूझ रहे हैं लेकिन सरकार के कानून पर जू नहीं रह रही है। बेरोजगारी हटाओ का नारा देने वाली सरकार जानबूझकर प्रदेश के बच्चों का भविष्य खराब कर रही है और रोजगार देने में असमर्थ साबित हो रही है।

बारिश में भीगते हुए भी ओबीसी महासभा के कार्यकर्ताओं का जोश कम नहीं हुआ। सैकड़ों कार्यकर्ता सड़कों पर बैठ गए और सरकार के खिलाफ नारे लगाए।

भारत अब आतंकवाद के खिलाफ सशक्त कदम उठा रहा है : राजनाथ

नई दिल्ली। लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर बहस के दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आतंकवाद के खिलाफ भारत की सख्ती की बात पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हमें भगवान कृष्ण से सीखना चाहिए कि धर्म की रक्षा के लिए अंत में सुदर्शन चक्र उठाना पड़ता है। रक्षा मंत्री ने एक संस्कृत मंत्र का उच्चारण करते हुए कहा कि शठे शाठ्यं समाचरेत्यानी दुष्ट के साथ उसी तरीके से व्यवहार करना चाहिए। हमने 2006 के संसद हमले, 2008 के मुंबई हमले देखे हैं। अब हमने कहा कि बस अब काफी हो गया और अब हमने सुदर्शन चक्र उठा लिया। राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत अब आतंकवाद के खिलाफ दृढ़ और

सशक्त कदम उठा रहा है।

रक्षा मंत्री ने आगे कहा कि भारत शांति चाहता है, लेकिन जो अशांति फैलाते हैं, उनके खिलाफ कड़ा कदम उठाने में भी हम पीछे नहीं हटेंगे। उन्होंने कहा कि अगर हम शांति के लिए हाथ बढ़ाना जानते हैं, तो अशांति फैलाने वालों के हाथ भी उखाड़ना जानते हैं। दुष्टों के साथ दुष्टता का ही व्यवहार करना चाहिए। राजनाथ सिंह ने बताया कि भारत की लड़ाई अब सिर्फ सीमा पर ही नहीं, बल्कि वैचारिक स्तर पर भी आतंकवाद के खिलाफ जारी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने इस उद्देश्य से एक उच्चस्तरीय समिति बनाई है जिसमें विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि शामिल हैं। उन्होंने बताया कि यह समिति दुनिया भर के मंचों पर जाकर भारत की बात रख रही है और आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक समर्थन को मजबूत कर रही है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने देश और विदेश में उन सभी प्रतिनिधिमंडलों का आभार जताया, जिन्होंने भारत के आतंकवाद के खिलाफ सख्त रुख और ऑपरेशन सिंदूर की जानकारी विश्वभर में फैलाने में मदद की। उन्होंने कहा कि जब पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी सत्ता में थे, तब भारत-पाकिस्तान के बीच कम्पोजिट डायलॉग का नियम था कि पाकिस्तान अपनी जमीन का इस्तेमाल भारत के खिलाफ आतंक फैलाने के लिए नहीं करेगा, जिसे पाकिस्तान ने स्वीकार भी किया था। लेकिन 2009 में, तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने शर्म-अल-शेख में एक बड़ी गलती की जब इस डायलॉग से पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद को अलग कर दिया गया। इससे भारत की रणनीतिक स्थिति कमजोर हुई। रक्षा मंत्री ने कहा कि पाकिस्तान द्वारा प्रायोजित आतंकवाद कोई पागलपन नहीं है, बल्कि यह एक सोची-समझी साजिश और नीति का हिस्सा है। उन्होंने बताया कि यह आतंकवाद नहीं, बल्कि एक टूलकिट है, जिसे पाकिस्तान की सेना और खुफिया एजेंसियां राजनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल करती हैं। यह सोच पूरी दुनिया के सभ्य नियमों के खिलाफ है और इसमें सहिष्णुता की कोई जगह नहीं।

रक्षा मंत्री ने कहा कि पाकिस्तान एक ऐसा देश है जो दोहरे मापदंड और झूठ पर आधारित है, और अब वह एक फेल्ड स्टेट की तरह नजर आ रहा है। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के जरिए भारत ने पूरी दुनिया को दिखा दिया है कि आतंकवाद को जड़ से खत्म करने का हमारा संकल्प अडिग है।

इंड्रस्टियल ऑयल के आड़ में एनसीएल को करोड़ों की चपत

जयंत में पलटा टैंकर में डीजल था इंड्रस्टियल ऑयल, झिंगुरदह और खड़िया में जा रहा था टैंकर

सिंगरौली। एनसीएल में काम करने वाली ओबी कंपनियों ने डीजल के नाम पर इंड्रस्टियल ऑयल खपा रही हैं। ऐसे में एनसीएल को करोड़ों की चपत लग रही है। यह पूरा खेल एनसीएल के अधिकारियों और परियोजना के कोयला केसर के संचालक के मिलीभगत से हो रहा है।

सूत्रों की बातों पर गौर करे तो बीते रविवार को जयंत के मुड़वानी डेम के पास एक टैंकर पलटा हुआ था। उसमें से डीजल निकल रहा था। टैंकर पलटने की हवा जैसे ही लोगों को लगी तो भारी संख्या में लोग बॉटल व जर्किन लेकर डीजल भरने पहुंच गये और खूब डीजल भरा। डीजल लेने वाले भी यह नही पता लगा पाये की यह डीजल की कुछ और । खुलासा हुआ कि वह डीजल नही था, बल्कि डीजल के आड़ में इंड्रस्टियल ऑयल था, जो एनसीएल के झिंगुरदह परियोजना में जा रहा था। कुछ ऐसी बात हो गई कि झिंगुरदह न भेज कर खड़िया परियोजना पहुंचाया जा रहा था। इसी बीच हादसा हो गया और टैंकर पलट गया। यह संयोग ही कहे कि टैंकर न पलटता तो यह खुलासा भी न हो पाता। एनसीएल के विभिन्न परियोजनाओं में कोयला क्रेसर संचालित हैं। जहां कोयले को क्रेसिंग किया जाता है। इस कार्य के लिए कोयला क्रेसर संचालक ऊंचे दाम पर डीजल न खरीद कर कम रेट के चलते इंड्रस्टियल ऑयल का उपयोग वाहन में कर रहे हैं। भले ही क्रेसर संचालक कम दाम पर इंड्रस्टियल ऑयल खरीद रहे हैं लेकिन जो एनसीएल को बिल दे रहे हैं वह डीजल के रेट का दे रहे हैं। ऐसे में यह कह सकते हैं कि कोयला केसर संचालक एनसीएल को लाखों का नही, बल्कि करोड़ों की चपत डीजल के नाम पर लगा रहे हैं। यह पूरा खेल एनसीएल के जिम्मेदार अधिकारी जो बिल बाउचर भरते हैं और उसको पास करते हैं, उनकी मिलीभगत के चलते एनसीएल को चूना लगाने में क्रेसर संचालक कोई कोर कसर नही छोड़ रहा है। यह कोई एक परियोजना की बात नही है, एनसीएल के अधिकांश परियोजनाओं में डीजल के आड़ में इंड्रस्टियल ऑयल का उपयोग धड़ल्ले के साथ हो रहा है। इसके बावजूद एनसीएल के जिम्मेदार अधिकारी कोई कार्रवाई करने से गुरेज कर रहे हैं।

एनसीएल में बिल में होता है खेल

सूत्रों की बातों पर गौर करे तो इंड्रस्टियल ऑयल के नाम पर एनसीएल में करोड़ों रूपये की सेंधमारी डीजल के नाम पर कोयला क्रेसर संचालक व ओबी कंपनियां कर रही हैं। जबकि एनसीएल से इनका अनुबंध डीजल के लिए किया गया है और कोयला क्रेसर संचालक व ओबी कंपनियां डीजल का भुगतान एमपी के रेट से ले रही है। सूत्र तो बताते हैं कि इसकी जानकारी भले ही बड़े स्तर के अधिकारियों को न हो, लेकिन परियोजना में उन अधिकारियों को इसकी जानकारी विधिवत है। लेकिन कमीशन के चलते इस मामले को दबाया जा रहा है। कहा तो यह भी जाता है कि जब ओबी कंपनी और कोयला केसर संचालक के डीजल भुगतान की फाईल एनसीएल के पास पहुंती है तो बिल बाउचर तैयार करने वाले के साथ भुगतान करने वाले अधिकारियों का पहले ही कमीशन मिल जाता है, तब कहीं जाकर भुगतान किया जाता है।

गुजरात से आ रहा इंड्रस्टियल ऑयल

सूत्रों की बातों पर गौर करे तो एनसीएल के झिंगुरदह और खड़िया परियोजना में जो इंड्रस्टियल ऑयल आ रहा है, यह कोई नया मामला नही है। यहां तो प्रतिदिन 30 हजार लीटर इंड्रस्टियल ऑयल लाकर खपाया जा रहा है। इस तरह अधिकाशं परियोजनाओं में ओबी का काम कर रही कंपनियों के द्वारा इंड्रस्टियल ऑयल मंगाकर वाहनों में ईधन के रूप में कार्य कराया जा रहा है। सूत्र तो यह भी दावा करते हैं कि म.प्र. डीजल का रेट तकरीबन 96-97 रूपये चल रहा है और यह जो इंड्रस्टियल ऑयल गुजरात से मंगाया जा रहा है, सिंगरौली आकर 70 रूपये के रेट से पड़ रहा है। ऐसे में देखा जाये तो फर्क लगभग 26 से 27 रूपये आ रहा है। इस फर्क और बचत के नाम पर कोयला क्रेसर संचालक डीजल के नाम पर काफी मुनाफा कमाने के लिए एनसीएल को भारी झटका दे रहे हैं।

श्रीराम कथा महोत्सव का आयोजन 31 जुलाई से

सिंगरौली। श्री तुलसी जयंती महापर्व के पावन अवसर पर श्रीराम कथा महोत्सव का आयोजन 31 जुलाई से 6 अगस्त तक सामुदायिक भवन जिला न्यायालय बैढ़न में होने जा रहा है। कार्यक्रम के संयोजक अंजनी तिवारी ने जानकारी देते हुये बताया कि तुलसी जयंत के अवसर पर श्रीराम कथा महोत्सव का आयोजन बड़े ही धूमधाम के साथ 31 जुलाई से 6 अगस्त तक किया जाएगा। श्रीराम कथा महोत्सव का शाम 5 बजे से किया जाएगा। जिसमें कथा वाचक के रूप में वृंदावन धाम उत्तरप्रदेश के मानस सम्राट पंडित रामज्ञान पाण्डेय वाराणसी उत्तरप्रदेश से मानस पियूष पंडित सुरेश मिश्रा व सागर म.प्र. से रामायणी इन्दू भुषण रामकथा करेंगे।

जंगल विभाग में नशामुक्ति कार्यक्रम का हुआ आयोजन

सिंगरौली। आज दिन सोमवार को देवसर में नशामुक्ति कार्यक्रम किया गया, जिसमें जोरो शोर से नशा करने वाले लोगों नशा से बचने और नशा से दूर रहने के उपाय बताए गए । देवसर को नशामुक्त कैसे किया जाए, इस विषय पर विस्तृत रूप से चर्चा की गई और लोगों के सामने बात रखी गई।

श्रावण के तीसरे सोमवार को शिवालयों में उमड़ी भीड़

जलाभिषेक, अखण्ड कीर्तन व रुद्राभिषेक का हो रहा आयोजन

सिंगरौली। श्रावण सोमवार के आज तीसरे सोमवार को जिले भर के शिवालयों में भोलेनाथ का दर्शन करने के लिए भक्तजनों का शैलाब उमड़ा था। वही शिवधाम मंदिर बैढ़न के महाप्रबंधक ज्योतिषविद् पं. डॉ. एनपी मिश्र के सानिध्य में अनेकानेक भक्तजनों द्वारा देवाधिदेव महादेव भगवान की पूजा आराधना एवं कई भक्त जनों द्वारा रुद्राभिषेक कर पुण्य लाभ अर्जित किया गया। श्रावण मास का प्रत्येक सोमवार शिवभक्तों के लिए अत्यंत पावन और फलदायी होता है, परंतु जब यह मास धीरे-धीरे अपने मध्य की ओर बढ़ता है, तब श्रद्धा की गहराई और आस्था की ऊँचाई और भी विशेष हो जाती है। आज तीसरा सावन सोमवार है, एक ऐसा दिन जो भक्ति, आत्मशुद्धि और ईश-साक्षात्कार का अनमोल अवसर है। ज्योतिषविद् पं. डॉ. एनपी मिश्र के अनुसार शिव पुराण एवं अनेक वैदिक ग्रंथों में सावन सोमवार की विशेष महिमा का उल्लेख मिलता है। जलाभिषेक, बेलपत्र अर्पण, रुद्राष्टाध्यायी का पाठ और व्रत-उपवास के माध्यम से भक्तजन अपने भीतर के विकारों का नाश करते हैं और शिवतत्व के समीप पहुंचते हैं। तीसरा सोमवार विशेष इसलिए भी माना जाता है, क्योंकि यह मास के उत्तरार्ध में आता है, जहाँ साधक की साधना में स्थिरता आ जाती है और मन चंचलता से हटकर भक्ति में गहराई प्राप्त करता है। यह दिन आत्ममंथन, तप और संयम का प्रतीक बनकर, मनुष्य को अपने कर्तव्यों की ओर पुनः जागरूक करता है।

महुआ गांव समिति एवं निवास समिति में यूरिया खाद की किल्लत

सिंगरौली। सरई तहसील अंतर्गत महुआ गांव समिति एवं निवास समिति में खाद की बड़ी किल्लत है। महंगे दामों में किसान खाद लाइसेंससी दुकानदारों से खरीदने को मजबूर हैं। किसानो का कहना है की इस समय खेतो में रोपाई का काम चल रहा है और खाद की अति आवश्यक है, किन्तु मिल नही रहा। मजबूर होकर लाइसेंस युक्त दुकानों से महंगे दामों में खरीदना पड़ रहा है। किसान रमाकांत कुशवाहा ने की 17 सौ रुपए में एक बोरी डीएपी खाद और 370 रुपए में एक बोरी यूरिया खाद। महुआं गांव राम प्रकाश के

दुकान से खरीद कर लाया हूँ। बताया तो यह भी जा रहा कि निवास महुआ गांव में लाइसेंस सुधा दुकानदार खुलेआम किसानो को लूट रहे हैं। लम्बे समय से खाद कालाबाजारी का धंधा महुआं गांव व निवास में चल रहा है। आज तक ना कोई कार्यवाही हुई और ना ही किसी किसान को सही रेट पर यूरिया खाद एवं डीएपी खाद मिला। सूत्र तो बता रहे हैं कि सहकारी समिति महुआ गांव एवं निवास यूरिया डीएपीं की खाद हमेशा किल्लत बना रहता है। खाद आता है गिन-चुन किसानों को दिया जाता है। बाकी का यूरिया डीएपी सीधे-सीधे व्यापारियों के हाथ बिक्री कर दी जाती है। जिसकीं शिकायत ग्रामीणों ने ऑनलाइन की है, किन्तु आज तक किसानो को सही रेट पर ना तो खाद मिला और ना ही उन्हें न्याय मिला।

रीवा में गूंजा सिंगरौली का नाम, म.प्र. पर्यटन सम्मेलन में शामिल हुये नीरज

सिंगरौली । रीवा शहर ने बीते शनिवार को एक ऐतिहासिक आयोजन की मेजबानी की क्षेत्रीय पर्यटन सम्मेलन एवं इन्फ्लुएंसर मीट जिसे म.प्र. पर्यटन विभाग द्वारा आयोजित किया गया था। यह आयोजन न केवल डिजिटल क्रांति का प्रतीक बनाए, बल्कि यह भी सिद्ध किया कि प्रदेश के छोटे-छोटे कोनों में भी अद्भुत पर्यटन संभावनाएं छिपी हुई हैं। इस मौके पर सिंगरौली जिले से सिंगरौली सोशल के संस्थापक निरज साहू को विशेष आमंत्रित अतिथि के रूप में बुलाया गया।

आदिवासी महिला के साथ बदसलूकी व मारपीट

कोतवाली पुलिस ने नही लिखी रपट, खड़े हो रहे सवाल

सिंगरौली। कोतवाली थाना हमेशा कुछ न कुछ मामलो को लेकर सुर्खियों में बना रहता है। वहीं बलियरी निवासी एक आदिवासी महिला के साथ बदसुलकी व मारपीट बीते 25 जुलाई को हुई थी। लेकिन कोतवाली पुलिस ने रपट नही लिखी। आखिर क्यों नही लिखी, महिला को न्याय क्यों नही मिला, पुलिस के कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

कोतवाली बैढ़न में शिकायत करने पहुंची फरियादिया रीना कोल पति बबुन्दर कोल उम्र 35 वर्ष निवासी राखड़ बंधा के पास

बलियरी ने दिये शिकायती पत्र में बताया कि बीते 25 जुलाई को दोपहर तकरीबन 2 बजे मैं अपनी बहन के घर बलियरी घूमने गई थी, तो जब मैं अपनी बहन के घर में थी तभी मेरे पास मेरा लड़का फोन किया कि मम्मी आ रही हो, तो मैं बोली कि पानी निकल जाये तो आ जाती हूँ और जैसे ही फोन काटी तभी पड़ोस का गोलू साहू पिता संजय साहू मेरे पास आकर मुझे अभद्र गाली देते हुये मेरी मोबाइल हॉथ से छुड़ाकर पटक दिया तो मोबाइल टूट गई। इसके बाद गोलू के द्वारा मुझे तमाचा से गाल में मार दिया तथा गलत तरीके से मुझे पकड़ कर घर में ले जाकर दरवाजा की सिटकिनी चढ़ा दिया व मुझे अश्लील गाली दे रहा था। किसी तरह से अपनी इज्जत बचाकर दरवाजा की सिटकिनी खोली तो वह धमकी देते हुए अपने घर चला गया। इस घटना से मैं डरी सहमी होते हुये कोतवाली बैढ़न में शिकायत दर्ज करते हुये कार्रवाई की मांग की। लेकिन कोतवाली पुलिस के द्वारा सरहंग के खिलाफ कोई कार्रवाई नही की गई। ऐसे में आदिवासी महिला के साथ घटी घटना को लेकर कोतवाली पुलिस संजीदा नही दिखाई दे रही। तभी तो आज तक सरहंग के खिलाफ कोई कार्रवाई नही हुई।

चूनकुमारी स्टेडियम बना बिगड़ैल युवक-युवतियों का अड्डा

सिंगरौली। राजमाता चूनकुमारी स्टेडियम बिगड़ैल युवक-युवतियों का अड्डा बन गया है। यहां शराब व सिंगरेट की कस लगाई जाती है और पुलिस का खौफ इन पर नही है। अगर इन्हें टोक दिया जाये तो गुण्डागर्दी दिखाते हैं। ऐसे में पुलिस का नशा मुक्ति अभियान महज कागजो व फोटो तक सीमित होकर रह गया है।

गौरतलब है कि कोतवाली व महिला थाना से महज 100 व 150 मीटर की दूरी पर स्थित राजमाता चूनकुमारी स्टेडियम पूरी तरीके से शराबियों और मनचलो का अड्डा बन गया है। यहां सीढ़ियों पर बैठ कर युवक- युवती हाथ में हाथ डालकर नैन मटक्का करते देखे जा सकते हैं। दोपहर के तकरीबन 12 बजे से लेकर ढाई बजे तक इस तरह का प्रेमालाप स्टेडियम में चलता है। इसके अलावा विधिवत युवक-युवती सिगरेट की कस के साथ हाथ में बियर की बोतलों को मुहँ में लगाते देखे जा सकते हैं। इसके अलावा विधिवत साथ में सेल्फी लेकर इन्जॉय करते हैं।

स्टेडियम की बदहाल व्यवस्था को लेकर मीडिया कर्मी पहुंचे। वहां स्टेडियम की बदहाली देखने के साथ वहां पर आधा दर्जन के करीब युवक-युवती गले व हाथ में हाथ डालकर दिखे। साथ ही सिगरेट व बियर की बोतल साथ में दिखी। तब कैमरा से तस्वीर खिचने लगे तो युवक-युवती सीढ़ि से उतर कर नीचे आये और गुर्राने लगे। बिगड़ैल युवक-युवती सम्भ्रांत परिवार से लग रहे थे। इसीलिए रौब दिखा रहे थे, लेकिन जब पुलिस के आने का न्यौता देने की बात कहीं गई और फोन भी घुमाया गया, तो कुछ ही देर में स्टेडियम खाली हो गया। कॉलेज के युवक-युवतियों के साथ कन्या विद्यालय की छात्राएं भी मौजूद थी। ऐसे में अभिभावक जहां जहां पढ़ने के लिए भेजते हैं, लेकिन यहां छात्र-छात्राएं गलत रास्ते पर जा रही हैं। कहीं न कहीं पुलिस से चन्द दूरी पर ऐसा खेल हो रहा है तो इनके कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं।

महिलाओं ने धूमधाम से मनाई हरियाली तीज, लोकगीतों से गूंजा बनियान तालाब परिसर

सिंगरौली। प्राकृतिक उल्लास, लोकपरंपराओं और सांस्कृतिक रंगों से सराबोर हरियाली तीज का पर्व इस बार सरई के बनियान तालाब परिसर में महिलाओं द्वारा बड़े उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर पारंपरिक वेशभूषा में सजी महिलाओं की उपस्थिति से पूरा परिसर उत्सवमय हो उठा। हरियाली तीज जिसे श्रावण मास में सौभाग्य, प्रेम और समृद्धि की कामना के साथ मनाया जाता है। विशेष रूप से महिलाओं का प्रमुख पर्व माना जाता है। सरई की महिलाओं ने इस दिन को न केवल धार्मिक आस्था के साथ, बल्कि सांस्कृतिक सौंदर्य के साथ मनाया। तालाब के किनारे झूले डाले गए, लोकगीत गाए गए और पारंपरिक तीज गीतों की स्वर-लहरियों से वातावरण आनंदित हो उठा। इस पावन अवसर पर नीरू गुप्ता पति मदन लाल गुप्ता का जन्मदिन भी था, जिसे सभी महिलाओं ने मिलकर सामूहिक रूप से मनाया। यह क्षण सामूहिक एकता, प्रेम और सहभागिता का प्रतीक बन गया। हरियाली तीज का यह आयोजन न केवल लोक परंपराओं को संजोने का प्रयास था, बल्कि आधुनिक जीवन में सांस्कृतिक पहचान को जीवंत बनाए रखने की एक प्रेरणादायी पहल भी साबित हुआ।

बिना नंबर और टीपी का मेडिकल कॉलेज के बगल में 8 घंटे से खड़ा है रेत से भरा हाईवा वाहन

खनिज अमले के संरक्षण में सरकार को लगाया जा रहा राजस्व चूना

सिंगरौली। जिले में रेत का अवैध कारोबार खूब फल-फूल रहा है। यह बात किसी से छुपी नहीं है। खनिज एवं पुलिस विभाग के अमले का रेत कारोबारी एवं ठेकेदार को संरक्षण मिला हुआ है। यह बात जग जाहिर है।

ऐसा ही एक मामला आज सामने आया है। जहां करीब 8 घंटे से मेडिकल कॉलेज नौगढ़ के बगल में एक बिना नंबर का हाईवा वाहन रेत लोड कर खड़ा है। चालक के अनुसार वाहन में टीपी नही है। रेत कहां से लाया जा रहा है और कहां खपाया जाएगा, इसकी जानकारी नहीं मिल पा रही है। लेकिन यह रेत अवैध तरीके से परिवहन किया जा रहा है। ज्ञात हो कि जिले में रेत का अवैध कारोबार जोरों से चल रहा है। हालांकि बारिश के चलते नदियों में पानी भर जाने से अवैध उत्खनन एवं परिवहन बंद है।

लेकिन जहां रेत का भंडारण ठेकेदार के द्वारा किया गया है, वहां बगैर टीपी के कई वाहनों से रेत बेची जा रही है। आज मेडिकल कॉलेज नौगढ़ के बगल में सुबह से एक बिना नंबर का हाईवा वाहन खड़ा हुआ है। जब मीडिया कर्मी पड़ताल करने पहुंचे तो ज्ञात हुआ कि हाईवा वाहन में बालू है, लेकिन बिना टीपी के कहीं बेचने जा रहा था, उन्हें इस बात की जानकारी लगी कि अभी पुलिस माजन मोड़ पर खड़ी है, हो सकता है की पकड़ ले, इसलिए सूर्य देवता के ओझल होने का इंतजार किया जा रहा था और जैसे ही ओझल होता रेता को कहीं ले जाकर बिक्री कर देते हैं। हालांकि ठेकेदार को मालूम है कि कहां पर रेता बेचना था, जब मीडिया कर्मी चालक से पूछतांछ करने लगे तो चौकाने वाला मामला सामने आने लगा है। चालक ने यहां तक बताया कि रेत बगैर टीपी के एक नहीं दिन भर में कई गाड़ियों से सप्लाई की जाती है । इसमें ठेकेदार के साथ-साथ खनिज विभाग का संरक्षण मिला हुआ है। यहां बता दें कि खनिज अधिकारी खनिजों के अवैध उत्खनन एवं परिवहन पर लगाम कसने में नाकाम साबित हो रही है। अधिकांश इस समय इसी पर खनिज अधिकारी का फोकस दिख रहा है। जिसको लेकर चर्चाओं की बाजार गरम है।

गांव-गांव में पहुंचायी जा रही देशी-विदेशी शराब

पुलिस एवं आबकारी का मिला है संरक्षण, झोखों में यातायात पुलिस ने किया भंडाफोड़, नशा मुक्ति अभियान खोल रही पोल

सिंगरौली। जिले में पिछले 15 जुलाई से नशा मुक्ति जागरूकता अभियान पुलिस के द्वारा चलाया जाकर नशा से दूर रहने के लिए खूब डफला पीटा जा रहा है। लेकिन इसी खाकी वर्दी के संरक्षण में गांव-गांव देशी-विदेशी शराब बाइक एवं बोलेरो समेत अन्य वाहनों से पहुंचाई जा रही है। आज यातायात पुलिस चौकी झोखों ने दो युवकों के कब्जे से दो कार्टून देशी-विदेशी शराब जप्त कर कार्रवाई के लिए चितरंगी पुलिस को सौंप दिया है।

गौरतलब है कि पुलिस महानिदेशक भोपाल के निर्देशानुसार जिले में 15 जुलाई से नशा से दूर रहना जन-जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। विद्यालयों के साथ-साथ सार्वजनिक भीड़-भाड़ स्थान में पुलिस पहुंचकर लोगों को नशा से

दूर रहने और उससे होने वाले नुकसान के बारे में खूब बातें कर रही हैं, लेकिन पर्दे के पीछे पुलिस की भूमिका पर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। आरोप है कि पुलिस एवं आबकारी के संरक्षण में देशी विदेशी शराब की बिक्री गांव में अवैध तरीके से जोर-शोर से कराया जा रहा है । आरोप तो यहां तक लग रहे हैं कि सरकारी शराब दुकानों से पुलिस एवं आबकारी महकमा का सब ठीक है, वह भी छोटा-मोटा कमीशन नहीं बड़ा कमीशन वसूल करती है। इसीलिए शराब दुकानदारों के विरुद्ध पुलिस एवं आबकारी अमला कार्रवाई करने से भागते नजर आता है। हालांकि अब धीरे-धीरे ग्रामीण भी पुलिस एवं आबकारी की इस पर्दे के पीछे किये जा रहे खेल का भंडाफोड़ करने में लगे हुए हैं। सूत्र बताते हैं कि आज दिन सोमवार की सुबह झोखों पेट्रोल पंप के पास दो युवक एक मोटरसाइकिल से दो कार्टून शराब गांव में पहुंचाने और अघोषित रूप से संचालित दुकान में खपाने जा रहे थे कि ग्रामीणों ने घेराबंदी कर दबोच लिया और यातायात पुलिस चौकी झोखों को अवगत कराया। जहां पुलिस मौके से पहुंच मोटरसाइकिल एवं दो कार्टून देशी-विदेशी अवैध शराब अपने कब्जे में लेकर अग्रिम कार्रवाई के लिए चितरंगी पुलिस को सौंप दिया है । इधर बताया जा रहा है कि इस कारोबार में संलिप्त अजय सिंह पिता राज बहादुर सिंह उम्र 26 वर्ष निवासी पड़री थाना बहरी हाल मुकाम कर्थुआ और मनीष सिंह सेंगर पिता राजेन्द्र सिंह सेंगहर उम्र 32 वर्ष निवासी ग्राम फूल थाना मऊगंज हाल मुकाम कर्थुआ के कब्जे से 24 नग बियर, 50 पाव देशी मदिरा प्लेन बरामद करते हुये आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है। इधर जिले में कई अंचलों में अघोषित रूप से पहुंच जा रही देशी-विदेशी शराब के कर्ताधर्ता एवं खाकी वर्दी की भूमिका पर भी जमकर सवाल किया जा रहे हैं।

आबकारी निरीक्षक की चर्चा जोरों पर

सूत्रों की बातों पर गौर करे तो कर्थुआ में संचालित देशी-विदेशी शराब दुकान को लेकर काफी चर्चा है। बताया जाता है कि यह शराब दुकान आबकारी निरीक्षक के देवर के नाम से है। पहले आबकारी निरीक्षक के पति के नाम से चल रही थी। जहां देवसर व कर्थुआ क्षेत्र के दर्जनों गांवों में खोचिया चलाई जा रही है। इस पूरे खेल में आबकारी निरीक्षक की भूमिका पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं।

स्वतंत्रता दिवस समारोह के गरिमामय आयोजन के लिए तैयारी बैठक आयोजित

हर्षोल्लास के साथ स्वतंत्रता दिवस समारोह के आयोजन का कलेक्टर ने दिए निर्देश

सीधी। जिले भर में आगामी 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस समारोह पूर्वक मनाया जायेगा। जिला स्तरीय कार्यक्रम पुलिस परेड ग्राउंड सीधी में आयोजित किया जायेगा। कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में सोमवार को आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी ने कहा कि गत वर्षों की भांति इस वर्ष भी स्वतंत्रता दिवस समारोह का आयोजन भव्यता के साथ हर्षोल्लास एवं गरिमामय ढंग से किया जाये। यह प्रत्येक भारतवासी के लिए महत्वपूर्ण दिवस है। जिला स्तरीय आयोजन भावी पीढ़ी के लिए ज्ञानवर्धक तथा उत्साहवर्धक हो जिससे वह स्वतंत्रता प्राप्ति के लिए किए गए संघर्षों, त्याग और बलिदानों को समझे तथा उनमें देशप्रेम की भावना जागृत हो।

कलेक्टर ने कहा कि शासन के निर्देशों के अनुसार जिला, विकासखण्ड तथा ग्राम पंचायत स्तर पर समारोह आयोजित किये जायेंगे। जिला स्तरीय समारोह पुलिस परेड ग्राउंड सीधी में प्रात: 9 बजे मुख्य अतिथि द्वारा ध्वजारोहण से आरंभ होगा। समारोह में जिला पुलिस बल, एसएएफ, होम गार्ड, वन विभाग तथा एनसीसी के कैडेट द्वारा राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी जायेगी। समारोह में मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री जी के स्वतंत्रता दिवस संदेश का वाचन करेंगे। इसी तरह नगरीय निकायों, जनपद पंचायतों तथा ग्राम पंचायतों में भी ध्वजारोहण किया जायेगा। सभी शासकीय तथा अर्धशासकीय कार्यालयों एवं शिक्षण संस्थाओं में भी प्रात: 8 बजे तक ध्वजारोहण किया जायेगा। सभी शासकीय भवनों में 14 एवं 15 अगस्त की रात में रोशनी की व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए हैं।

कलेक्टर द्वारा सभी संबंधित अधिकारियों को जिला स्तरीय कार्यक्रम के लिये साफ-सफाई, पानी की व्यवस्था, मैदान के समतलीकरण, बैरिकेटिंग, बैठक व्यवस्था, बिजली की निर्बाध आपूर्ति आदि के लिए जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। समारोह में शामिल दलों का परेड अभ्यास की व्यवस्थाएं रक्षित निरीक्षक सुनिश्चित करेंगें। समारोह का अंतिम रूप से रिहर्सल 13 अगस्त को प्रात: 9 बजे पुलिस परेड ग्राउंड में होगा। बैठक में कलेक्टर ने माइक एवं साउंड व्यवस्था, मैदान की साज-सज्जा तथा बैठक व्यवस्था के संबंध में अधिकारियों को निर्देश दिये। कलेक्टर ने कहा कि समारोह का गरिमामय आयोजन हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है, अत: दिए गए दायित्वों का निर्वहन पूरी जिम्मेदारी एवं सजगता के साथ करें।

शासन के निर्देशों के अनुसार स्वतंत्रता दिवस समारोह में शहीदों के परिजनों, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों तथा लोकतंत्र के प्रहरियों को सम्मानित किया जायेगा। इसके साथ ही कलेक्टर ने सभी विभाग प्रमुखों को उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सूची पुरस्कार हेतु सामान्य शाखा प्रभारी कलेक्ट्रेट कार्यालय को 12 अगस्त तक उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं।

बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अंशुमन राज, उपखण्ड अधिकारी गोपद बनास नीलेश शर्मा, सिहावल प्रिया पाठक, मझौली आरपी त्रिपाठी, चुरहट शैलेष द्विवेदी, डिप्टी कलेक्टर एसपी मिश्रा सहित सभी विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहें।

रामगढ़ नंबर 2 में नवांकुर सखी योजना के तहत हरियाली यात्रा का हुआ आयोजन

सीधी

मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद योजना आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग के तत्वाधान में विगत 24 जुलाई 2025 से नवांकुर सखी योजना के अंतर्गत संचालित हरियाली यात्रा के चौथे दिवस दिनांक 27 जुलाई को विकासखंड सीधी के रामगढ़ नंबर दो में हरियाली यात्रा का आयोजन वरिष्ठ समाज सेवी श्री लक्ष्मण के मुख्य आतिथ्य एवं मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद शासी निकाय के सदस्य श्री कृष्णकांत द्विवेदी की विशिष्ट आतिथ्य में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जिला पंचायत की सदस्य सुश्री पूजा सिंह कुशराम तथा जनपद सदस्य श्रीमती रितु सिंह चौहान उपस्थित रही। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद जिला समन्वयक द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों को फलदार पौधे देकर स्वागत करने के साथ ही कार्यक्रम की विस्तार से रूपरेखा प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम में डॉ अजय मिश्रा उपाध्यक्ष भारत स्काउट गाइड मध्य प्रदेश, ग्राम पंचायत रामगढ़ के सरपंच शिव टहल रावत के साथ ही समाज सेवी मोतीलाल पटेल, पुनीत नारायण शुक्ला उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मातृ शक्तियों द्वारा कलश यात्रा निकालने के साथ पौधारोपण का कार्यक्रम किया गया। अतिथियों द्वारा मातृ शक्तियों को 1100 पौधे वितरित करने के साथ ही उनके पालन पोषण और संरक्षण करने की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम में नवमपुर संस्था केशव ग्राम विकास समिति से राजकृपाल जायसवाल एवं परामर्शदाता पूजा पांडे उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन अमित कुमार गौतम के द्वारा किया गया।

जीर्ण शीर्ण शाला भवन एवं कक्ष में शाला संचालित नहीं करने के निर्देश

सीधी

जिला परियोजना समन्वयक जिला शिक्षा केन्द्र ने जानकारी देकर बताया है कि सीधी जिले में शासकीय प्राथमिक शाला 1107, शासकीय माध्यमिक शाला 457, शासकीय हाईस्कूल 102 एवं शासकीय उ.मा.विद्यालय 107 कुल शासकीय शालायें 1773 है। सीधी जिले के 05 विकासखण्डों के समस्त विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी, विकासखण्ड स्त्रोत समन्वयक, प्राचार्य एवं प्रधानाध्यापक को जिला शिक्षा अधिकारी तथा जिला शिक्षा केन्द्र कार्यालय से जून 2025 में आदेशित किया गया है कि जीर्ण शीर्ण शाला भवन एवं कक्ष में शाला संचालित नहीं की जानी है। इस संबंध में विकासखण्ड से प्राप्त जानकारी के आधार पर 55 प्राथमिक/माध्यमिक शालाओं को नजदीकी शाला भवन/अन्य शासकीय भवन संचालित करने का आदेश जारी किया जा चुका है। वर्तमान में जानकारी अनुसार किसी भी शाला का संचालन जर्जर भवन/कक्ष में नहीं किया जा रहा है। इसके लिए सतत् रूप से जनशिक्षक, उपयंत्री के माध्यम से जानकारी प्राप्त की जा रही है जिस पर तत्काल शाला अन्य भवन में संचालित किये जानें का आदेश जारी किया जायेगा। साथ ही जर्जर भवनों के डिसमेंटल हेतु आदेशित किया गया है ऐसे भवनों के डिसमेंटल की कार्यवाही अनुविभागीय अधिकारी राजस्व एवं लोक निर्माण विभाग के माध्यम से चल रही है। उन्होंने बताया कि इस प्रकार सीधी जिले में कोई भी शासकीय शाला जर्जर कक्ष एवं भवन में संचालित नहीं की जा रही है।

जिले में औसत वर्षा 841.1 मि.मी. दर्ज, सर्वाधिक वर्षा सिहावल में

सीधी। अधीक्षक भू-अभिलेख ने बताया कि 28 जुलाई को सीधी जिले में 2.9 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई है। तहसील रामपुर नैकिन में 0.0 मि.मी., चुरहट 0.0 मि.मी., गोपद बनास में 0.0 मि.मी., सिहावल में 18.0 मि.मी., बहरी में 1.2 मि.मी., मझौली में 0.0 मि.मी. और कुसमी में 1.0 मि.मी. वर्षा हुई है। उल्लेखनीय है कि जिले में अब तक 841.1 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई है। 01 जून से 28 जुलाई तक तहसील सिहावल में सर्वाधिक वर्षा 947.4 मि.मी. दर्ज की गई है। तहसील रामपुर नैकिन में 674.0, चुरहट में 710.0, गोपद बनास में 836.6, बहरी में 917.1, मझौली में 921.0 मि.मी. और कुसमी में 881.5 मि.मी. औसत वर्षा हुई है जबकि गतवर्ष इसी अवधि में जिले में 365.2 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई थी। गतवर्ष की तुलना में इस वर्ष 475.9 मि.मी. औसत वर्षा अधिक हुई है।

हाईरिस्क गर्भवती महिलाओं को प्रसव के संभावित तिथि के एक सप्ताह पूर्व प्रसूता को बर्थ वेटिंग रूम में भर्ती करायें : सीएमएचओ

एएनएम, आशा कार्यकर्ता एवं बीएमओ सेमरिया को स्पष्टीकरण प्रेषित किया गया

सीधी

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बबिता खरे ने जानकारी देकर बताया है कि जिला चिकित्सालय सीधी एवं समस्त सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में प्रसूता का संभावित प्रसव तिथि के पूर्व सुरक्षित प्रसव कराने के लिए बर्थ वेटिंग रूम की स्थापना की गयी है। उक्त संबंध में समस्त मुख्य खण्ड चिकित्सा अधिकारियों, मैदानी स्वास्थ्य कर्मचारियों को निर्देशित किया गया है कि पहुंच विहीन क्षेत्र में निवासरत प्रसूता, हाईरिस्क गर्भवती महिलाओं को प्रसव के संभावित तिथि के एक सप्ताह पूर्व प्रसूता को बर्थ वेटिंग रूम में भर्ती कराना सुनिश्चित करें।

उन्होंने बताया कि दिनांक 27.07.2025 को प्रात: 4:42 पर 108 काल सेन्टर पर सूचना मिलने पर 108 एम्बूलेंस प्रीती रावत ग्राम वरिगवां नं0 02 के गृह निवास के नजदीक तत्काल 05 बजे सुबह उपलब्ध कराई गई। प्रसूता प्रीती रावत पत्नी बाबूलाल रावत उम्र 25 वर्ष तीसरे प्रसव के लिये एम्बूलेंस सुविधा की मांग की गयी थी, किन्तु प्रसूता का निवास गृह सड़क से दूर था एवं रास्ते में बरसात के कारण अत्यधिक कीचड़ होने के कारण प्रसूता के परिजन द्वारा एम्बूलेंस वाहन चालक को वहीं इन्तजार करने के लिए कहा गया। एम्बूलेंस वाहन में उपस्थित एमटीएस द्वारा तत्काल प्रसूता को फालोअप करने के लिए नजदीक पहुंचा तब तक प्रसव प्रसूता के चारपाई पर ही हो गया। एमटीएस द्वारा प्रसव उपरान्त तत्काल प्राथमिक उपचार करते हुये एम्बूलेंस तक ले जाया गया एवं नजदीकी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सेमरिया में भर्ती कराया गया। अभी जच्चा बच्चा दोनों स्वस्थ्य है।

उक्त प्रसूता को बर्थ वेटिंग रूम में संभावित प्रसव की तिथि के पूर्व से भर्ती की कार्यवाही नहीं किये जाने के लिये सम्बन्धित एएनएम, आशा कार्यकर्ता एवं मुख्य खण्ड चिकित्सा अधिकारी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सेमरिया को स्पष्टीकरण प्रेषित किया गया। उक्त घटनाओं की पुनरावृत्ति नहीं हो इसके लिए आवश्यक है कि पहुंच विहीन क्षेत्र में निवासरत प्रसूता, हाईरिस्क गर्भवती महिलाओं को प्रसव के संभावित तिथि के एक सप्ताह पूर्व प्रसूता को बर्थ वेटिंग रूम में भर्ती कराया जाए।

नशे से दूरी है जरूरी नशामुक्त अभियान कार्यक्रम अंतर्गत अरविंदो हायर सेकेण्डरी स्कूल में हुआ कार्यक्रम

सीधी। नशे से दूरी है जरूरी नशा मुक्त अभियान पुलिस विभाग एवं स्वास्थ्य विभाग के मार्गदर्षन में दिव्यज्योति सोसल डवलपमेंट सेंटर सीधी द्वारा नषामुक्ति अभियान का क्रियान्वयन किया गया इस अभियान को आगे बढाते हुये जगह जगह स्कूल, कालेजों में नषामुक्ति शपथ समारोह का आयोजन किया जा रहा है। अरविंदो हायर सेकेण्डरी स्कूल सीधी आयोजन में श्रीमती ममता पाठक, प्रधान आरक्षक द्वारा बताया गया कि मादक पदार्थ व नषे

के दुष्प्रभावों के बारे में किषोर एवं अन्य नागरिकों को जागरूक करने और इसकी लत से दूर रहे रहने के लिये यह अभियान चलाया जा रहा है नषे से दूर रहे हम सभी की जिम्मेदारी है कि नषे के दुष्प्रभावों से बच्चों, किषोर, और युवाओं को अवगत कराएं इस अवसर पर पुलिस थाना सीधी कोतवाली क्षेत्र में स्थित एस.आई. अहिरवार ने स्कूल के विद्यार्थियों को नषामुक्ति की शपथ दिलाई व नषे से दूर रहने की सलाह दी। साथ ही स्वास्थ्य विभाग द्वारा टी.बी. रोग के बारे में भी जागरूकता संदेष दिया गया। उक्त कार्यक्रम में थाना कोतवाली सीधी में पदस्थ एस.आई. राजमणि अहिरवार, डॉ हिमेष पाठक, अषफाक अहमद, संचलाक अरविंदो स्कूल सुषील अग्रवानी, कंचन अग्रवानी एवं दिव्यज्योति संस्था के जीतेन्द्र सिंह टीम लीडर, दीपक तिवारी जिला समन्वयक एवं चेतना त्रिपाठी सहित समस्त स्कूल स्टॉफ उपस्थित था।

बालक एवं बालिका छात्रावास निर्माण हेतु 29 जुलाई को किया जाएगा भूमि पूजन

शहडोल। भारत सरकार के केंद्रीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान 29 जुलाई 2025 को प्रात: 9 बजे पीएम जनमन योजना के अंतर्गत 4 करोड़ 60 लाख रूपये की राषि से निर्मित होने वाले बालक एवं बालिका छात्रावास हेतु वर्चुअली रूप से भूमि पूजन करेंगे। वर्चुअली रूप से भूमिपूजन कार्यक्रम जनपद पंचायत सोहागपुर के सांदीपनि शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय छतवई में किया जाएगा। भूमि पूजन कार्यक्रम सांसद संसदीय क्षेत्र शहडोल श्रीमती हिमाद्री सिंह, विधायक श्रीमती मनीषा सिंह, श्री जयसिंह मरावी, श्री शरद कोल, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती प्रभा मिश्रा, सदस्य जिला योजना समिति श्रीमती अमिता चपरा सहित अन्य जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासनिक अधिकारियो की उपस्थित में आयोजित किया जाएगा।

विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर सम्पन्न

शहडोल

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शहडोल के द्वारा नगर के सेंट्रल एकेडमी स्कूल, शहडोल में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शहडोल के जिला विधिक सहायता अधिकारी देवेंद्र सिंह परस्ते ने छात्र-छात्राओं बताया कि पास्को एक्ट वर्ष 2012 में बच्चों को यौन अपराधों से सुरक्षा प्रदान करने के लिए बनाया गया था। यह कानून 18 वर्ष से कम आयु के सभी बच्चों को यौन उत्पीड़न, यौन शोषण, और अश्लील हरकतों से सुरक्षा प्रदान करता है। उन्होंने छात्रों को बताया कि अगर कोई व्यक्ति स्कूल, समाज या घर में अनुचित व्यवहार करता है या उन्हें असहज महसूस कराता है, तो उसे नज़रअंदाज करने की बजाय तुरंत अपने माता-पिता, शिक्षक या कानूनी सेवा संस्था को सूचित करना चाहिए। उन्होंने बताया कि चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 में भी जानकारी दें सकतें है। उन्होंने विद्यार्थियो को बचपन से जुड़े अन्य अधिकारों जैसे शिक्षा का अधिकार, बाल श्रम निषेध अधिनियम, बाल विवाह निषेध कानून, तथा निशुल्क विधिक सहायता की जानकारी भी दी। षिविर में विद्यालय के प्राचार्य श्री संजय मिश्रा, षिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहें।

ग्राम मरसरहा ब्लॉक सिहावल में किया गया आपदा प्रबंधन पर प्रशिक्षण

सीधी। आपदा प्रबंध संस्थान, गृह विभाग मध्य प्रदेश शासन भोपाल के निर्देशानुसार और जिला कलेक्टर सीधी आपदा विभाग के नेतृत्व में गीतांजलि जन कल्याण समिति जमुआर द्वारा ग्राम मरसरहा विकासखंड सिहावल जिला सीधी मध्यप्रदेश में आपदा प्रबंध समिति का गठन कर ग्रामपंचायत भवन मरसरहा में ग्राम पंचायत सरपंच श्रीमती कल्पना रावत के उपस्थिति में संस्था से रविशंकर मिश्र द्वारा ग्राम के सचिव शिक्षक आंगनवाड़ी आशा पर्यवेक्षक, आशा और ग्रामीण जन की उपस्थिति में आपदा से बचाव हेतु प्रशिक्षण दिया गया जिसमे सर्पदंश, आकाशीय बिजली, बाढ़, भूकंप, गैस रिसाव, वाहन दुर्घटना,एवं अन्य आपदा से बचाव हेतु प्रशिक्षण प्रदान किया गया और सभी उपस्थित जन से अपील किया गया की सभी ग्रामीण जन को जागरूक करे और आपदा से बचाव के तरीके बताएं इस कार्यक्रम में संस्था से रविशंकर मिश्र और ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

जवाहर नवोदय विद्यालय में बिना जाति प्रमाणपत्र के कर सकेंगे आवेदन

सीधी। पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय चुरहट के प्राचार्य डॉ डी के त्रिपाठी ने बताया कि सत्र 2026-2027 के लिए कक्षा छठवीं में प्रवेश परीक्षा के लिए ऑनलाइन आवेदन भरा जा रहा है। आवेदन भरते समय जाति प्रमाण पत्र अपलोड करना अनिवार्य था लेकिन अभी यह अनिवार्यता नहीं है। अब सभी बिना जाति प्रमाण पत्र के ही आवेदन भर सकते हैं।

प्राचार्य ने बताया कि सीधी जिले में पांचवीं में अध्ययनरत सभी छात्रों के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने का यह सुनहरा अवसर है। ऑन लाइन आवेदन की अंतिम तिथि 29 जुलाई है। अब बिना जाति प्रमाण पत्र के ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

शिकायतों का समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करें : कलेक्टर

समय-सीमा पत्रों की समीक्षा बैठक सम्पन्न

सीधी। समय-सीमा पत्रों की समीक्षा बैठक में कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी द्वारा सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों के निराकरण की विभागवार विस्तृत समीक्षा की गई। कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों का समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। कलेक्टर ने कहा कि शिकायतों के निराकरण में किसी भी स्तर पर कोई उदासीनता या लापरवाही स्वीकार नहीं की जावेगी। संबंधित एल1 एवं एल2 अधिकारियों के विरूद्ध कठोर अनुशासनात्मक कार्यवाही की जावेगी। कलेक्टर ने कहा कि अगले दो दिनों में सीएम हेल्पलाइन की पुन: समीक्षा की जाएगी जिसमें प्रत्येक विभाग के खराब प्रगति वाले दो एल 1 अधिकारी भी उपस्थित रहेंगे।

समय सीमा पत्रों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने सभी विभाग प्रमुखों को प्राथमिकता पर कार्यवाही करते हुए प्रकरणों को निराकृत करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने कहा कि सभी प्रकरणों की नस्ती कार्यवाही कर एक सप्ताह में अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करेंगे। आगामी एक सप्ताह अभियान चलाकर टीएल प्रकरणों की वस्तुस्थिति से अवगत कराना सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने सीएम हाउस तथा सीएम मॉनिट से प्राप्त पत्रों पर समय-सीमा में कार्यवाही कर अवगत कराने के निर्देश दिए हैं। लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने समय-सीमा के अंदर समस्त प्रकरणों को निराकृत कराने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने कहा कि समय-सीमा बाह्य प्रकरणों में संबंधित अधिकारियों तथा कर्मचारियों की जिम्मेदारी निर्धारित करते हुए नियमानुसार जुर्माने की कार्यवाही की जावेगी।

कलेक्टर ने सभी निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया है कि भूअर्जन के प्रकरणों में प्राथमिकता से कार्यवाही करें। कलेक्टर ने कहा कि लोक निर्माण विभाग सहित अन्य विभाग ऐसे सभी प्रकरणों की समीक्षा कर अगले दो दिवस में जानकारी उपलब्ध करायेंगे। संबंधित उपखण्ड अधिकारियों से समन्वय स्थापित कर सभी प्रकरणों में समय सीमा में कार्यवाही पूर्ण करेंगे। इसके साथ ही कलेक्टर ने सभी विभागों को ई-ऑफिस के तहत की कार्य करने के निर्देश दिए हैं।

बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अंशुमन राज, उपखण्ड अधिकारी गोपद बनास नीलेश शर्मा, सिहावल प्रिया पाठक, मझौली आरपी त्रिपाठी, चुरहट शैलेष द्विवेदी, डिप्टी कलेक्टर एसपी मिश्रा सहित सभी विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहें।

संपादकीय

डिजिटल ठगी बढ़े मामले, सिस्टम हैक हो चुका है या जागरूकता फेल?

सख्ती और जागरूकता के दावों के बावजूद साइबर धोखाधड़ी रुक नहीं रही, तो आखिर इसकी वजह क्या है? हर वर्ष लाखों शिकायतें दर्ज होती हैं, लेकिन उनमें से ज्यादातर मामलों में गंभीरता दिखाई नहीं देती। देश के भीतर और अन्य देशों में बैठे शातिर अपराधी बड़ी चतुराई से नागरिकों को अपने जाल में फंसा लेते हैं। साइबर अपराध के इतने स्वरूप हैं कि लोग उन्हें समझ नहीं पाते और जीवन भर की गाढ़ी कमाई गंवा बैठते हैं। आज साइबर अपराधी हर वर्ष करोड़ों रुपए की चपत लगा रहे हैं और जांच एजेंसियां उन तक पहुंच नहीं पा रहीं।नतीजा यह कि अपराधी किसी न किसी रूप से लालच देकर या डरा-धमका कर नागरिकों को अपना शिकार बनाते रहते हैं। इसी का परिणाम है कि पिछले वर्ष 22 हजार 845 करोड़ रुपए से अधिक की साइबर ठगी हुई है। जबकि वर्ष 2023 में यह आंकड़ा 7,465 करोड़ रुपए था। लोकसभा में गृह राज्यमंत्री की ओर से दी गई इस जानकारी ने चिंता बढ़ा दी हैं। इससे पता चलता है कि पुलिस तंत्र साइबर अपराधियों पर लगाम लगाने में नाकाम रहा है।आखिर क्या कारण है कि आज के तकनीकी दौर में भी सुरक्षा एजेंसियां साइबर धोखेबाजों तक नहीं पहुंच पा रही हैं? हालांकि, पुलिस प्रशासन की ओर से साइबर अपराध से तत्काल और सख्ती से निपटने के दावे किए जाते हैं, बावजूद इसके दर्ज होने वाले मामलों की संख्या लगातार बढ़ रही है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर वित्तीय धोखाधड़ी के पिछले वर्ष छत्तीस लाख से अधिक मामले दर्ज किए गए।अपराधियों के संजाल को खत्म करने की कोशिशों के बीच ये आंकड़े साल-दर-साल बढ़ रहे हैं। ऐसे में सवाल है कि अगर अपराधी बेखौफ साइबर धोखाधड़ी को अंजाम दे रहे हैं, तो क्या यह पुलिस जांच व्यवस्था की खामी नहीं है? जरूरी है कि आधुनिक प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल कर व्यवस्था में सुधार किया जाए और अपराधियों को न्याय के कठघरे में लाया जाए। साथ ही आम नागरिकों को भी व्यापक स्तर पर जागरूक करने की जरूरत है, ताकि वे साइबर अपराध की जद में आने से बच सकें।

उत्तर प्रदेश में 5000 सरकारी स्कूलों को बंद करने के खिलाफ हाल ही में सुप्रीम कोर्ट में जनहित याचिका दाखिल की गई है। याचिका में कहा गया कि सरकार के इस कदम से राज्य में तीन लाख पचास हजार से ज्यादा छात्रों को निजी स्कूलों में दाखिला लेने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। शिक्षा किसी भी राष्ट्र के विकास की नींव होती है। एक मजबूत शिक्षा प्रणाली एक कुशल कार्यबल, नवाचार और आर्थिक विकास को बढ़ावा देती है। चूँकि इस देश में प्राथमिक शिक्षा को राजनीतिक एजेंडे में कोई प्राथमिकता नहीं दी जाती, इसलिए दुनिया की सबसे बड़ी युवा आबादी वाला यह देश अभी भी निरक्षरता और खराब शिक्षा से जूझ रहा है। हाल ही में प्रकाशित आठवीं इंडिया स्किल रिपोर्ट के अनुसार, ऐसे देश में, जहाँ धर्म और धार्मिक पहचान जनता और सरकार दोनों के लिए सबसे महत्वपूर्ण हैं, 50 प्रतिशत से ज़्यादा स्नातकों का रोज़गार के योग्य न होना कोई आश्चर्य की बात नहीं है।

5 हजार सरकारी स्कूल बंद करके, विश्व गुरु बनेगा भारत?

(भारत भूषण अड़जरिया)

संयुक्त राष्ट्र द्वारा कोविड-19 के बाद की शिक्षा की स्थिति का आकलन करने के लिए वैश्विक शिक्षा से संबंधित एक विशेष बैठक आयोजित करने के बाद जारी एक बयान के अनुसार, कोविड महामारी ने पिछले 20 वर्षों में पूरी दुनिया में शिक्षा के क्षेत्र में हासिल की गई उपलब्धियों को मिटा दिया है।

उत्तर प्रदेश में 5000 सरकारी स्कूलों को बंद करने के खिलाफ हाल ही में सुप्रीम कोर्ट में जनहित याचिका दाखिल की गई है। याचिका में कहा गया कि सरकार के इस कदम से राज्य में तीन लाख पचास हजार से ज्यादा छात्रों को निजी स्कूलों में दाखिला लेने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। शिक्षा किसी भी राष्ट्र के विकास की नींव होती है। एक मजबूत शिक्षा प्रणाली एक कुशल कार्यबल, नवाचार और आर्थिक विकास को बढ़ावा देती है।

चूँकि इस देश में प्राथमिक शिक्षा को राजनीतिक एजेंडे में कोई प्राथमिकता नहीं दी जाती, इसलिए दुनिया की सबसे बड़ी युवा आबादी वाला यह देश अभी भी निरक्षरता और खराब शिक्षा से जूझ रहा है। हाल ही में प्रकाशित आठवीं इंडिया स्किल रिपोर्ट के अनुसार, ऐसे देश में, जहाँ धर्म और धार्मिक पहचान जनता और सरकार दोनों के लिए सबसे महत्वपूर्ण हैं, 50 प्रतिशत से ज़्यादा स्नातकों का रोज़गार के योग्य न होना कोई आश्चर्य की बात नहीं है।

इस साल फरवरी में केंद्र सरकार ने बताया था कि पिछले 10 साल में यूनेस्को में 89 हजार सरकारी स्कूल बंद हो गए हैं। इनमें से अधिकांश 25 हज़ार स्कूल अकेले उत्तर प्रदेश से थे। 5 हजार स्कूल और बंद हमारे दिल पर मोर लोड ना आए इसलिए योगी सरकार ने स्कूल बंद करने की इस स्कॉच को नाम दिया है पेअरिंग स्कॉच। वर्ष 2015-16 में उत्तर प्रदेश में करीब 1 लाख 62 हजार प्राथमिक विद्यालय थे। जो साल 2021-22 में 1 लाख 40 हजार ही रह गए। यानी 2015-16 के मुकाबले में ये संख्या कम हो गई। सरकार का तर्क है कि जिन स्कूलों में बच्चों की संख्या 50 से कम है, उन्हें बंद कर देना ही बेहतर है। लेकिन सवाल ये है कि आखिर ये स्कॉटिश बच्चे क्यों नहीं हैं? क्या बच्चों की संख्या आपके-आप कम हो गई, या इसके पीछे सरकार की नीतियां जिम्मेदार हैं? ईटीवी-भारत न्यूज़ वेबसाइट के अनुसार यू-डीआईएसई पोर्टल के आधार पर जो आंकड़े सामने आए हैं, वो देखने वाले हैं। आंकड़ों के मुताबिक, प्रदेश में करीब 30,000 प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालय ऐसे हैं, जो जर्जर स्थिति में हैं। जहां 742 स्कूल पूरी तरह से खराब खंडहर हैं। इसके बाद 690-690 में जंगल और जंगल में 674, ग़रीब में 643,

641 में ग़रीब में और 633 में बलिया में कब्ज़ा की स्थिति बेहद खस्ता है। इन स्कूलों में बच्चों के लिए न तो अधूरा निर्माण है, न शौचालय, न पीने का पानी और न ही चारदीवारी। कभी मिड-डे मील का सामान नहीं आता, तो कभी छत टपकती है। स्थानीय बिजली नहीं। कभी-कभी स्कूल में ही जूते डूब जाते हैं। तो ऐसे रसोई में किसी ने भी अपने बच्चों को क्यों भेजेगा? जब स्कूल में टीचर ही नहीं होंगे तो पढ़ाई कैसे होगी? जिन शिक्षकों में शिक्षक तैनात हैं, वहां उनकी ड्यूटी चुनाव, सर्वेक्षण, योजना या धार्मिक आयोजनों में लगाई जाती है। स्कूल सिर्फ रिकॉर्ड में है। क्लासरूम बंद होता है, परिसर सूना रहता है। फिर जब बच्चों की पढ़ाई नहीं होती, तो परिवार वाले अपने बच्चों को या तो प्राइवेट स्कूलों में दाल देते हैं या फिर पढ़ाई ही छुड़वा देते हैं। यानी धीरे-धीरे सरकारी स्कूल के बच्चे आना ही बंद कर देते हैं। फिर एक दिन शासन की रिपोर्ट आती है छात्र संख्या कम है, स्कूल बंद कर दिया जाएगा।

बाकी जो स्कूल चल रहे हैं उनमें भी बार-बार सुरक्षा के नाम पर छुट्टियाँ घोषित कर दी जाती है। उत्तर प्रदेश में कांवड़ यात्रा अब बस एक धार्मिक परंपरा नहीं रही, ये एक सरकारी आयोजन संस्था बन चुकी है। हर साल जैसे ही सावन आता है, प्रदेश का पूरा सरकारी तंत्र एक ही दिशा में दौड़ता है- तीर्थयात्रियों की सेवा। स्वास्थ्य विभाग से लेकर जिला प्रशासन तक, स्वास्थ्य विभाग से लेकर नगर निगम तक, हर विभाग को आदेश दिया जाता है कि कांवड़ियों की सुविधा में कोई कमी नहीं होनी चाहिए। जगह-जगह कैंप, मेडिकल कैंप, मोबाइल स्टेडियम, मिस्ट फैन, नमक-पानी तक डाला जाता है। और ये सब फंडिंग आती है सरकारी खज़ाने से। ५

संयुक्त राष्ट्र द्वारा कोविड-19 के बाद की शिक्षा की स्थिति का आकलन करने के लिए वैश्विक शिक्षा से संबंधित एक विशेष बैठक आयोजित करने के बाद जारी एक बयान के अनुसार, कोविड महामारी ने पिछले 20 वर्षों में पूरी दुनिया में शिक्षा के क्षेत्र में हासिल की गई उपलब्धियों को मिटा दिया है। दुनिया भर में 10 करोड़ से अधिक अतिरिक्त बच्चे पढ़ने-लिखने के न्यूनतम स्तर से वंचित हो गए हैं। रिपोर्ट इस तथ्य को भी सामने लाती है कि इस वैश्विक स्थिति की पृष्ठभूमि में, यह समझना मुश्किल नहीं है कि कोविड के समय में भारत में कितने कम छात्र इंटरनेट के माध्यम से पढ़ाई कर पाए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, देश के ग्रामीण इलाकों में केवल 18 प्रतिशत के पास इंटरनेट की सुविधा थी, लेकिन उनमें से कितने वास्तव में इसका उपयोग कर पाए, यह भी संदिग्ध है क्योंकि डेटा पैक खरीदने के लिए पैसे, मोबाइल चार्ज करने के लिए बिजली आदि जैसे कई सवाल इससे जुड़े हैं। रिपोर्ट बताती है कि 42 प्रतिशत शहरी क्षेत्रों में इंटरनेट की सुविधा है, लेकिन शहरी गरीब बस्तियों में रहने वाले कितने छात्र इसका लाभ उठा पाए, यह भी एक सवाल है। इसके अलावा, रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि निजी स्कूलों में उच्चतर माध्यमिक स्तर पर 62 प्रतिशत से ज़्यादा शिक्षक पूरी तरह योग्य नहीं हैं। ऐसे में, अगर शिक्षक अपनी पूरी क्षमता से काम करने की कोशिश भी करें, तो वे इसमें कितने सफल होंगे, यह तो आने वाला समय ही बताएगा। रिपोर्ट में अंत में दस सुझाव भी दिए गए हैं जिनके ज़रिए देश में सभी के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराई जा सकती है। इनमें सबसे अहम है पूर्वोत्तर और ग्रामीण इलाकों के स्कूलों में शिक्षकों की संख्या बढ़ाना और उनके उचित प्रशिक्षण की व्यवस्था करना।

कुल मिलाकर, स्कूलों में पर्याप्त संख्या में शिक्षकों की व्यवस्था करना, सरकारी क्षेत्र में ज़्यादा से ज़्यादा स्कूल खोलना ताकि गरीब और ग्रामीण बच्चे फीस आदि के कारण शिक्षा से वंचित न रहें और शिक्षक-छात्र अनुपात को कम करना यानी शिक्षा के स्तर को बेहतर बनाने के लिए स्कूलों की संख्या बढ़ाना, सतत विकास लक्ष्य 2030 को प्राप्त करने की दिशा में कुछ अहम कदम हो सकते हैं। हालाँकि, बड़ा सवाल यह है कि क्या हमारे देश की सरकार यह सब करने के लिए तैयार है। दरअसल, सभी संकेत यही बताते हैं कि सत्ताधारियों के बीच सभी स्तरों पर सार्वजनिक शिक्षा को कमज़ोर करने की एक सोची-समझी योजना चल रही है। हमें एक संगठन के रूप में इसे रोकने के लिए कमर कसनी होगी। (लेखक मीडियाध्यक्ष, दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

समाजवादी आस्था का दोहरा मापदंड

(मृत्युंजय दीक्षित)

कांवड़ यात्रा और यात्रियों पर विपक्ष, उसके सोशल मीडिया और कुछ टी.वी. चैनल द्वारा लगातार आक्रमण होने पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कड़े तेवर अपना लिये और स्पष्ट शब्दों मे चेतावनी देते हुए कहा कि, कुछ असामाजिक तत्व कांवड़ यात्रा की आड़ में वातावरण खराब करने का प्रयास कर रहे हैं।

श्रावण माह शिव भक्ति का पवित्र माह है जिसमें उत्तर भारत के अनेक राज्यों में पवित्र कांवड़ यात्रा निकलती है। कांवड़ यात्रा में कांवड़िये पहले गंगा नदी तक पैदल जाकर पवित्र जल लेते हैं फिर शिवालयों जाकर महादेव का जलाभिषेक करते हैं। कांवड़िये अपनी यात्रा में 200 से 600 किमी तक पैदल चलते हैं। पूरी यात्रा में कांवड़िये सात्विक जीवन का पालन करते हैं। इस कठिन यात्रा में उनके पावों में छाले तक पड़ जाते हैं। कांवड़ यात्रा में स्त्रियाँ और बच्चे भी सम्मिलित होते हैं। जो सनातनी हिन्दू इस कथों यात्रा का व्रत नहीं ले पाते वे स्थान -स्थान पर कांवड़िओं की भिन्न- भिन्न प्रकार से सेवा करके अपना जीवन धन्य करना चाहते हैं।

ये अत्यंत दुखद है कि छद्म धर्मनिरपेक्ष और वोट बैंक की राजनीति करने वाले राजनैतिक दलों ने इस वर्ष ऐसी पवित्र यात्रा पर क्षोभजनक अमार्यदित टिप्पणियां करीं। समाजवादी पार्टी के नेताओं द्वारा कांवड़ यात्रियों को बेरोजगार, दंगाई और आतंकवादी तक कहा गया। समाजवादी नेता एसटी हसन ने कावड़ियों को आतंकवादी कहकर अपमानित कर किया। समाजवादी सोशल मीडिया कार्यकर्ताओं ने कांवड़ यात्रा व यात्रियों को बदनाम करने में कोई कोर कसर शेष नहीं रखी। गंदे मीस्म बनाए गये। कावड़ियों के जत्थों में घुसकर उत्पात मचाया गया जिसके कारण श्रद्धा व भक्ति भाव के साथ घर से सैकड़ो मील दूर शिवालयो में अपार श्रद्धा भाव समर्पित करने के लिए निकले कांवड़िये आहत हैं। कुछ चैनलों ने बिना ये पड़ताल किये कि वास्तविक अपराधी कौन है, एक-दो समूह के कावड़ियों द्वारा की गई रोडरेज ओर अराजकता के समाचार खूब बढ़ा चढ़ाकर दिखाए और कावड़ यात्रा की नकारात्मक छवि बनाने का पूरा प्रयास किया किंतु ये चैनल ये बताना और दिखाना भूल गये कि कई स्थानों पर कांवड़ यात्रियों जिनमें महिलाएं और बच्चे भी सम्मिलित थे उन पर सुनियोजित हमले किए गए। यहाँ यह तथ्य भी उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कावड़ियों से भी अनुशासित रहने की अपील की थी और पुलिस ने कांवड़ियों की अनुशासनहीनता पर उनको भी उचित दंड देने में विलम्ब नहीं किया। जिसमें एक स्थान पर कांवड़ियों और सीआरपीएफ जवान के बीच मारपीट का विडियो आने पर उत्तर प्रदेश पुलिस ने त्वरित कार्यवाही की ।

कांवड़ यात्रा और यात्रियों पर विपक्ष, उसके सोशल मीडिया और कुछ टी.वी. चैनल द्वारा लगातार आक्रमण होने पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कड़े तेवर अपना लिये और स्पष्ट शब्दों मे चेतावनी देते हुए कहा कि, कुछ असामाजिक तत्व कांवड़ यात्रा की आड़ में वातावरण खराब करने का प्रयास कर रहे हैं। सरकार की प्राथमिकता है कि यात्रा निर्विघ्न संपन्न हो। जो भी व्यक्ति किसी प्रकार का हुड़दंग करेगा यात्रा के पश्चात उसके विरुद्ध कठोर कर्रावाई की जाएगी। दोनों उपमुख्यमंत्रियों ने सपा पर हमला बोलते हुए कहा कि कांवड़ यात्रा को बदनाम करने के लिए समाजवादी पार्टी के कुछ अराजक तत्व यात्रा में घुस आए हैं और माहौल को खराब करने की लगातार कोशिश कर रहे हैं।

जब भी हिंदुओं का कोई ऐसा पर्व आता है जिसमें हिन्दू एकता और सामूहिकता परिलक्षित होती है वैसे ही जाती वादी और तुष्टीकरण के बल पर जीवित परिवारवादी समाजवादी दल के नेताओं की आस्था का दोहरा मापदंड सामने आ जाता है और यह स्पष्ट दिखने लगता है कि समाजवादी हिंदुओ के प्रति कितनी नफरत रखते हैं। समाजवादियों को अयोध्या का दिव्य, भव्य राम मंदिर रास नहीं आ रहा, महाकुम्भ -2025 को कलुषित करने व हिंदू सनातन आस्था की छवि को विकृत करने के लिए तो इन्होने महाअभियान ही छेड़ दिया था।

जब प्रदेश में सपा, बसपा की सरकारें हुआ करती थी तब कांवड़ यात्रा व यात्रियों के साथ कैसा व्यवहार किया जाता था वह किसी से छुपा नहीं है। सपा के कार्यकर्ता और समर्थक कांवड़ियों पर हमले किया करते थे। महिला कांवड़ियों के साथ अभद्रता व दुर्व्यवहार किया जाता था। कांवड़ यात्रा का अपमान करने पर कांग्रेस भी पीछे नहीं है उसके नेता दिग्विजय सिंह ने सोशल मीडिया पर कांवड़ यात्रा को लक्षित करते हुए सड़क पर नमाज पढ़ने को उचित बताया था।

इस वर्ष कांवड़ यात्रा से जुड़े चार प्रान्तों क्रमशः उत्तर प्रदेश, दिल्ली, हरियाणा और उत्तराखंड के मुख्यमंत्रियों योगी आदित्यनाथ, रेखा गुप्ता, नायब सिंह सैनी और पुष्कर सिंह धामी ने कांवड़ियों के लिए विशिष्ट व्यवस्था की है जिससे भी विपक्ष चिढ़ा हुआ है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने तो कांवड़ियों पर स्वयं पुष्पवर्षा भी की। उत्तर प्रदेश में शिवालयों को खूब अच्छे ढंग से सजाया-संवारा जा रहा है जो हिन्दू विरोधी विपक्ष के लिए आपत्तिजनक है।

कांग्रेस, सपा ,बसपा सहित सभी विरोधी दलों का हिंदू पर्वों व आस्था के प्रति सदा से ही दोहरा मापदंड रहा है। यही कारण है कि जो लोग मोहर्रम के जुलूसों में फिलीस्तीन और पाकिस्तानन , ईरान का झंडा फहराते हैं उन्हें ये दल आतंकवादी नहीं कहते वहीं जो लोग भारत माता की जय, वंदेमातरम का नारा लगाते हुए भक्तिभाव के साथ शिवालयों में जल चढ़ाने जाते हैं वे इनको आतंकवादी नजर आते हैं।सपा के एक मुस्लिम विधायक इकबाल महमूद ने तो यहां तक कह दिया कि यह शिव भक्त कम गुंडे ज्यादा नरक में जाना होगा। यह हिंदू आस्था के अपमान की पराकाष्ठा है।

कांवड़ यात्रा पर हल्ला बोलने वाले समाजवादी नेता संसद के मानसून सत्र के बीच संसद भवन के पास बनी एक मस्जिद में बैठक करने पहुँच गए। भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा ने तस्वीर जारी कर आरोप लगाया है कि अखिलेश यादव ने इस मस्जिद को सपा कार्यलाय बना दिया है। अब यह तथ्य स्थापित हो गया है कि समाजवादी पार्टी राम शिव और श्रीकृष्ण विरोधी और मस्जिदों में आधार खोजने वाली पार्टी है। समाजवादी आस्था के प्रति खतरनाक दोहरा मापदंड अपना रहे है। इनकी पीडीए की राजनीति केवल हिंदू समाज को बांटने के लिए है। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

सुडोकू पहेली — क्रमांक- 5806

	4			1			6	
9		6	5		2			4
						9	5	
3	2						8	
1			7	5	9			2
	9						1	5
	7	4						
6			4		8	5		1
	5			2			9	

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5805

2	5	4	8	9	7	6	3	1
3	6	7	2	4	1	9	8	5
8	1	9	3	6	5	7	4	2
7	4	8	1	3	6	2	5	9
6	2	1	5	8	9	4	7	3
5	9	3	7	2	4	1	6	8
4	8	2	6	1	3	5	9	7
9	3	5	4	7	2	8	1	6
1	7	6	9	5	8	3	2	4

चिकनगुनिया जैसी मच्छर जनित बीमारियों के फैलाव का संकट

(डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा)

चिकनगुनिया की जहां तक पहचान की बात है तो माना जाता है कि तंजानिया में 1952 में चिकनगुनिया का नामकरण हुआ। दरअसल माकोंडे में पठार में चिकनगुनिया के मरीज की पहचान हुई। चिकनगुनिया में बुखार तो होता ही है पर यह सबसे अधिक प्रभावित जोड़ों को करता है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन की माने तो चिकनगुनिया अब विकराल रुप लेता जा रहा है। एक मोटे अनुमान के अनुसार आने वाले समय में पांच अरब लोगों के इसके दायरें में आने की पूरी पूरी संभावना है। हांलाकि चिकनगुनिया से मौत का आंकड़ा प्रभावितों में से केवल एक प्रतिशत है पर जिस तरह से इसके फैलने की संभावनाएं बनती जा रही है निश्चित रुप से मौत का आंकड़ा भी बढ़ेगा और लाख दावों के बावजूद इसके स्वास्थ्य पर दूरगामी गंभीर प्रभाव भी पड़ेगा। चिकनगुनिया की गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि उष्णकटिबंधीय अफ्रीका से एशिया को लपेटे में लेने वाली यह बीमारी अब योरोप को भी अपनी जद में करीब करीब ले चुकी है। दरअसल जलवायु परिवर्तन भी इसके फैलाव में सहायक है। तापमान बढ़ोतरी और नमी दोनों के कारण चिकनगुनिया का मच्छर फैलता है। जहां पानी जमा हुआ इसके मच्छर को डेरा जमाने का अवसर मिल जाता है। दुनिया के 119 देशों में चिकनगुनिया अपनी उपस्थिति दर्ज करा चुका है। हमारे देश में तो पिछले कुछ वर्षों से चिकनगुनिया लगातार अपनी उपस्थिति दर्ज करा ही रहा है। यदि हमारे देश भारत की बात करें तो गत वर्ष चिकनगुनिया के दो लाख संदिग्ध मामलें सामने आये थे जिनमें से 17 हजार से अधिक मामलों में चिकनगुनिया की पुष्टि हुई थीं। भले ही यह संख्या कम लग रही हो पर जिस तरह से चिकनगुनिया हमारे देश सहित दुनिया के देशों में पांव पसार रहा है यही विश्व स्वास्थ्य संगठन की चिंता का प्रमुख कारण है। चिकनगुनिया की जहां तक पहचान की बात है तो माना जाता है कि तंजानिया में 1952 में चिकनगुनिया का नामकरण हुआ। दरअसल माकोंडे में पठार में चिकनगुनिया के मरीज की पहचान हुई। चिकनगुनिया में बुखार तो होता ही है पर यह सबसे अधिक प्रभावित जोड़ों को करता है। चिकनगुनिया में जोड़ो में भयंकर दर्द होता है और यह दर्द आसानी से व जल्दी जाता भी नहीं है। मकोंडे भाषा में चिकनगुनिया का मतलब दोहरा कर देना है और चिकनगुनिया के लक्षण दर्द के मारे दोहरा कर देने के कारण इसे चिकनगुनिया कहा जाने लगा। तंजानिया के दो वैज्ञानिकों मैरियन राबिन्सन और डब्लूएचआर लम्सडेन ने 1955 में दो अलग अलग शोधपत्र लिखकर इसके बारें में जानकारी दी। जहां तक भारत की बात है तो 1963 में कोलकता में चिकनगुनिया से पीड़ित मरीज पाया गया।

आज का राशिफल

मेष

आज आपका मन प्रसन्न रहेगा। अगर विद्यार्थी बौद्धिक और मानसिक समस्याओं का सामना कर रहे थे तो अब उन्हें उससे छुटकारा मिलेगा। व्यापार के मामले में किसी यात्रा के दौरान आपको कोई महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त हो सकती है। शाम के समय जीवनसाथी और बच्चों के साथ आप कहीं आसपास घूमने जा सकते हैं।

वृष

आज व्यापार के मामले में अच्छा रहने वाला है। आपको अचानक कोई लाभ प्राप्त हो सकता है और मन को सुकून प्राप्त होगा। कार्यक्षेत्र में आपको किसी ऐसे काम का शुभ परिणाम प्राप्त हो सकता है, जिसका लंबे समय से इंतजार कर रहे थे। इसी के चलते आपका मन प्रसन्न रहेगा। वहीं, शाम को परिवार के साथ अच्छा समय बिताएंगे जिससे मानसिक तनाव कम होगा।

मिथुन

आज आपके द्वारा किया हुआ कोई भी काम आसानी से पूरा हो जाएगा। लेकिन आपको अनावश्यक कार्यों में समय लगाने से बचना होगा। साथ ही, आपको खर्च में भी कटौती करनी होगी वरना भविष्य में किसी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

कर्क

आज दिन उत्तम रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में आपको कामकाज के सिलसिले में हर जगह से सफलता प्राप्त हो सकता है। समाज में मान-सम्मान में वृद्धि होगी और प्रगति के नए रास्ते खुलेंगे। कार्यस्थल पर आपके पराक्रम में वृद्धि होने से विरोधियों का मनोबल कम होगा।

सिंह

आज सांसारिक सुख प्राप्त होगा। समाज में भी आपके मान-सम्मान में वृद्धि होगी और भाग्य चमकने के योग भी बन रहे हैं। व्यापार के मामले में नए कार्यों और खोज में आपकी रुचि बढ़ सकती है। पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है, जिससे जीवन में उत्साह बढ़ेगा। वहीं, घर में भी उत्सव जैसा माहौल बना रहेगा।

कन्या

आज कार्यस्थल पर आपके ऊपर काम का प्रेशर कुछ ज्यादा रह सकता है, जिससे तनाव बढ़ेगा। अपने जूनियर्स से काम करवाने के लिए आपको मधुर वाणी का प्रयोग करना होगा। घर में चल रही समस्याओं को आपको संयम के साथ दूर करना होगा। इससे धीरे-धीरे आपके समाधान मिलने लगेंगे।

तुला

आज व्यापार के मामले में आपको जल्दबाजी में फैसले लेने से बचना होगा, अन्यथा नुकसान का सामना करना पड़ सकता है। अपने निजी जीवन की समस्याओं को व्यावसायिक मामलों में लाने से बचना होगा वरना नुकसान हो सकता है। किसी प्रियजन या जीवनसाथी के साथ किसी बात को लेकर कहासुनी हो सकती है।

धनु

आज विरोधी परास्त हो सकते हैं। राजनीतिक सहयोग प्राप्त होने की संभावना है, लेकिन आपको कार्यक्षेत्र में अपनी वाणी पर संयम रखना होगा। व्यापार के मामले में आपको पैसों की लेन-देन के समय सावधानी बरतनी होगी, अन्यथा नुकसान हो सकता है। शाम के समय नए संपर्क बन सकते हैं लेकिन किसी भी यात्रा के दौरान आपको सावधान रहना होगा।

कुंभ

आज कोई शुभ समाचार सुनने को मिल सकता है और धन लाभ के भी अच्छे योग बन रहे हैं। इससे आपकी आर्थिक स्थिति भी मजबूत होगी। कार्यक्षेत्र में अपने व्यवहार और मधुर वाणी के चलते आपको लाभ प्राप्त हो सकता है। साथ ही, दूसरों की मदद करने में भी आप सफल रहेंगे। कामकाज के सिलसिले में किसी यात्रा की योजना प्रबल होकर स्थगित हो सकती है।

वृश्चिक

आज किसी व्यक्ति के साथ निकटता और दोस्ती हो सकती है। उनके अनुभव से आपको लाभ भी प्राप्त हो सकता है। इससे साथियों के बीच भी आपकी लोकप्रियता बढ़ेगी। इसके अलावा, विद्यार्थियों को सलाह है कि वे अपना ज्यादा समय पढ़ाई-लिखाई पर लगाएं। शाम के समय घर में पूजा व किसी धार्मिक अनुष्ठान का आयोजन हो सकता है।

मकर

आज आपको कोई उपहार या समाज में सम्मान प्राप्त हो सकता है। व्यापार के मामले में किसी पुरानी महिला मित्र के द्वारा आपको अचानक धन लाभ हो सकता है। जिससे मन प्रसन्न रहेगा और तनाव कम होगा। नौकरी करने वालों को भी सफलता प्राप्त होगी। शाम के समय आपको अचानक किसी यात्रा पर जाना पड़ सकता है, जो लाभदायक साबित होगी।

मीन

आज आप ज्यादा व्यस्त रहेंगे और भागदौड़ भी देखने को मिल सकती है। कार्यस्थल पर उच्च अधिकारियों से आपको सराहना मिलेगी और पिता भी आपकी तारीफ करेंगे। घर में किसी मंगलमय या धार्मिक आयोजन के चलते व्यस्त रह सकते है। लेकिन आपको जीवनसाथी का पूरा सहयोग और प्रेम मिलेगा।

पंजाब के मुख्यमंत्री मान ने लुधियाना में किसानों से बातचीत की

जालंधर, एजेंसी। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने रविवार को एक पेड़ की छांव में ग्रामीणों के एक समूह से बातचीत की और रंगला पंजाब बनाने के लिए उनके सुझाव लिए। मुख्यमंत्री ने ग्रामीणों को आम आदमी पार्टी नीत सरकार की प्रमुख पहल से भी अवगत कराया। इस बैठक के लिए न तो सोफे लगाये गए थे और न ही सरकारी प्रोटोकॉल की औपचारिकताएं थीं। ग्रामीणों ने मान से खुलकर बातचीत की और उनके साथ अपने विचार साझा किए। मान ने ग्रामीणों के साथ राज्य के राजनीतिक, सामाजिक और अन्य मुद्दों पर बातचीत की। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने जब पदभार संभाला था, नहर के पानी का केवल 21 प्रतिशत ही सिंचाई के लिए इस्तेमाल किया जा रहा था, लेकिन अब यह बढ़कर 63 प्रतिशत हो गया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के ठोस प्रयासों से पहली बार नहर और नदियों का पानी गांवों के अंतिम छोर तक पहुंच पाया है।मान ने किसानों को बताया कि अक्टूबर में नमी की अधिकता के कारण धान की फसल बेचने में आने वाली परेशानियों से बचने के लिए, राज्य सरकार ने धान की खेती के सत्र में भी बदलाव कर दिया है। उन्होंने कहा कि इसके लिए राज्य में आवश्यक योजना और व्यवस्था के साथ-साथ क्षेत्रवार धान की खेती सुनिश्चित की गई है। मान ने कहा कि उन्होंने केंद्रीय खाद्य मंत्री को फोन कर आग्रह किया था कि अब धान की खरीद 15 सितंबर से शुरू होनी चाहिए ताकि राज्य के किसान अपनी फसल आसानी से और बिना किसी परेशानी के बेच सकें।उन्होंने कहा कि इससे किसान मंडियों में नमी रहित अनाज ला सकेंगे और उनकी खरीद सुचारू रूप से सुनिश्चित होगी। मादक पदार्थों के खतरे के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि ड्रग माफिया को कथित तौर पर पिछली सरकारों द्वारा संरक्षण दिया गया था, लेकिन उनकी सरकार ने मादक पदार्थों के खिलाफ अभियान शुरू किया।जल संकट के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि 153 ब्लॉक में से 117 में भूजल 'ब्लैक डार्क जोन' में चला गया है। राज्य में हो रही भव्य शादियों पर चिंता व्यक्त करते हुए, मान ने कहा कि ये आम किसानों की जेब पर भारी बोझ डाल रही हैं। सादगीपूर्ण शादियों की वकालत करते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि यह समय की मांग है ताकि किसानों को कर्ज के दुष्चक्र से बाहर निकाला जा सके। उन्होंने कहा कि किसानों को फिजूलखर्ची करने की होड़ से बाहर आना चाहिए। मान के अपने खेतों में आने से किसान आश्चर्यचकित थे, जिन्होंने कहा कि पिछले 70 वर्षों में उन्होंने पहली बार देखा है कि राज्य का मुखिया महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा करने के लिए उनके बीच आया।

स्पर्म की हो रही थी तस्करी, हैदराबाद में रैकेट का भंडाफोड़

हैदराबाद, एजेंसी। तस्करी तो आपने कई तरह सुनी होगी, लेकिन हैदराबाद से सटे शहर सिकंदराबाद में जिस तस्करी का खुलासा हुआ है उसके बारे में सुनकर चौंक जाएंगे। यहां पर सरोगेसी और स्पर्म तस्करी के एक रैकेट का भंडाफोड़ हुआ है। इस मामले में डॉक्टर समेत दस लोगों को गिरफ्तार किया गया है। हैदराबाद पुलिस ने इस मामले में रेजिमेंटल बाजार स्थित यूनिवर्सल सृष्टि फर्टिलिटी सेंटर पर छापा मारा था। यहां से सेंटर की मैनेजर डॉक्टर नर्मता को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने यह छापेमारी एक कपल की शिकायत पर की। इस कपल ने इस सेंटर की मदद से सरोगेसी के जरिए बच्चा पैदा किया था। हालांकि बाद में जब उन्होंने डीएनए टेस्ट कराया तो गड़बड़ी सामने आई। इसके बाद पूरा मामला पुलिस में पहुंच गया।

पैरों तले खिसक गई जमीनजानकारी के मुताबिक यह कपल राजस्थान का था। अब यह लोग सिकंदराबाद में ही रहते हैं। इस कपल के मुताबिक उन्होंने पिछले साल सरोगेसी की प्रक्रिया के लिए क्लीनिक को 35 लाख रुपए दिए थे। बताया जाता है कि बच्चे के जन्म के लिए एक महिला को विखापत्तनम से हैदराबाद फ्लाइट के जरिए लाया गया था। डॉक्टर नम्रता पर आरोप है कि उन्होंने कपल को यकीन दिलाया कि इस महिला से पैदा होने वाला बच्चा उनका ही सरोगेट बेबी है। जब बच्चे का जन्म हुआ तो दोनों ने डॉक्टर नम्रता से सरोगेट मदर से डीएनए वेरिफिकेशन के लिए कहा। लेकिन बार-बार कहने के बावजूद डॉक्टर नम्रता टाल-मटोल करती रहीं। इसके बाद पति-पत्नी ने दिल्ली में खुद से डीएनए टेस्ट कराया। इसका रिजल्ट आने के बाद दोनों के पैरों तले जमीन खिसक गई। बच्चे उनके साथ कोई जेनेटिक लिंक नहीं मिला।शिकायत की तो गायब हो गई डॉक्टरजून में डीएनए रिपोर्ट आने के बाद कपल डॉक्टर नम्रता के पास शिकायत लेकर पहुंचा। इस पर डॉक्टर ने गड़बड़ी की बात मानी साथ ही मामला सुलझाने का आश्वासन दिया। लेकिन उसके बाद वह गायब हो गईं। आखिर कपल को पुलिस की शरण लेनी पड़ी। मामले में तेजी से कार्रवाई करते हुए पुलिस ने देर रात यूनिवर्सल सृष्टि फर्टिलिटी सेंटर पर छापा मारा। इस दौरान कर्मचारियों से पूछताछ की गई। कई अहम दस्तावेजों को जब्त किया गया और स्पर्म सैंपल्स को फॉरेंसिक जांच के लिए सील कर लिया गया।पैसों का लालच देकर बनाते थे सरोगेट मदरहैदराबाद नॉर्थ जोन की डिप्टी कमिश्नर रश्मि पेरुमल ने कहा कि यह लोग गरीब महिलाओं को पैसों का लालच देकर सरोगेट मदर बनाते थे। उन्हें दूसरे प्रदेशों से यहां लाया जाता था। जांच में रैकेट के नेटवर्क को लेकर बड़ा खुलासा हुआ है। सामने आया है कि यह क्लीनिक बड़े पैमाने पर दूसरे राज्यों से स्पर्म कलेक्ट करता था और ले आता था। इन राज्यों में गुजरात और मध्य प्रदेश के नाम शामिल हैं। इसके अलावा यह सेंटर बिना लाइसेंस वाले इंडियन स्पर्म टेक के साथ जुड़कर भी काम कर रहा था। फिलहाल कुछ लोगों की गिरफ्तारियां हुई हैं और पुलिस मामले की जांच कर रही है।

भारत का अनुवाद नहीं होना चाहिए, नहीं तो अपनी पहचान खो देगा : मोहन भागवत

कोच्चि, एजेंसी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार को कहा कि भारत का अनुवाद नहीं किया जाना चाहिए अन्यथा यह अपनी पहचान और विश्व में इसे जो सम्मान प्राप्त है, वह खो देगा। भागवत ने कहा कि इंडिया तो भारत है लेकिन जब हम इसके बारे में बात करते हैं, लिखते हैं या बोलते हैं तो इसे इसी रूप में रखा जाना चाहिए फिर चाहे वह सार्वजनिक रूप से हो या व्यक्तिगत रूप से।उन्होंने कहा कि क्योंकि यह भारत है इसलिए भारत की पहचान का सम्मान किया जाता है। उन्होंने कहा, 'भारत एक व्यक्तिवाचक संज्ञा है। इसका अनुवाद नहीं किया जाना चाहिए। यह सच है कि इंडिया भारत है। लेकिन भारत, भारत है। इसलिए बातचीत, लेखन और भाषण के दौरान फिर चाहे वह व्यक्तिगत हो या सार्वजनिक हमें भारत को भारत ही रखना चाहिए।उन्होंने कहा, भारत को भारत ही रहना चाहिए। भारत की पहचान का सम्मान किया जाता है क्योंकि यह भारत है। अगर आप अपनी पहचान खो देते हैं तो चाहे आपके कितने भी अच्छे गुण क्यों न हों आपको इस दुनिया में कभी सम्मान या सुरक्षा नहीं मिलेगी। यही मूल सिद्धांत है। उन्होंने आरएसएस से जुड़े शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास द्वारा आयोजित राष्ट्रीय शिक्षा सम्मेलन ज्ञान सभा में यह बात कही।अपने संबोधन में भागवत ने कहा कि दुनिया ताकत की भाषा समझती है इसलिए भारत को आर्थिक दृष्टि से भी शक्तिशाली और समृद्ध बनना होगा। भागवत ने कहा कि भारत को अब सोने की चिड़िया बनने की जरूरत नहीं है बल्कि अब शेर बनने का समय आ गया है। उन्होंने कहा, यह ज़रूरी है क्योंकि दुनिया ताकत को समझती है। इसलिए भारत को ताकतवर बनना होगा। उसे आर्थिक दृष्टि से भी समृद्ध बनना होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि देश को दूसरों पर शासन करने के लिए नहीं,बल्कि विश्व की सहायता करने के लिए ताकतवर बनना चाहिए।अपने भाषण में भागवत ने यह भी कहा कि शिक्षा ऐसी होनी चाहिए जो किसी व्यक्ति को कहीं भी अपने दम पर जीवित रहने में मदद कर सके। आरएसएस प्रमुख ने यह भी कहा कि 'भारतीय' शिक्षा त्याग और दूसरों के लिए जीना सिखाती है और अगर कोई चीज किसी व्यक्ति को स्वार्थी होना सिखाती है तो वह शिक्षा नहीं है।

संघ के साथ अगले उपराष्ट्रपति के नाम पर भी चर्चा की जा सकती है

नईदिल्ली, एजेंसी। अध्यक्ष के चुनाव के बीच उपराष्ट्रपति पद से जगदीप धनखड़ के इस्तीफे ने भारतीय जनता पार्टी का काम डबल कर दिया है। खबर है कि भाजपा के पास अब दो उम्मीदवारों को सावधानी से चुनने का काम आ गया है। अध्यक्ष पद के लिए उम्मीदवार की घोषणा में देरी की वजह भाजपा और ऋस्यानी राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ में सहमति नहीं बन पाना मानी जा रही है। हालांकि, इसे लेकर पार्टी ने आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा है। कहा जा रहा है कि भाजपा दोनों ही पदों पर राजनीतिक और जाति समीकरण ध्यान में रखकर उम्मीदवारों की तलाश कर रही है।

टेलीग्राफ इंडिया की रिपोर्ट में भाजपा के अंदरूनी सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि पार्टी अगस्त के अंत तक नए उपराष्ट्रपति का चुनाव चाहती है। वहीं, इसी समय के आसपास भाजपा अध्यक्ष भी तय करना चाहती है। रिपोर्ट के अनुसार, अगर पार्टी उपराष्ट्रपति पद के लिए उच्च जाति के नेता को चुनती है, तो अगला भाजपा अध्यक्ष ओबीसी या दलित हो सकता है। खास बात है कि साल 2022 में द्रौपदी मुर्मू भारत की पहली आदिवासी महिला राष्ट्रपति बनी थीं। उस साल ही जगदीप धनखड़ भी उपराष्ट्रपति बने थे, जिनकी पहचान किसान पुत्र दिखाई जा रही थी। कहा जा रहा है कि इसका मकसद जाट किसानों के बीच स्थिति को सुधारना था, जो 2020-21 के दौरान तीन कृषि कानूनों के खिलाफ आंदोलन में उतर गए थे।

कैसे होगा चुनाव:

रिपोर्ट के अनुसार, सूत्रों का कहना है कि उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार भाजपा से होगा, लेकिन नाम पर अंतिम सहमति एनडीए दलों से बात कर होगी। वहीं, रिपोर्ट में कहा गया है कि भाजपा अध्यक्ष का नाम संघ और भाजपा में सहमति नहीं बन पाने के कारण हो रहा है। कहा जा रहा है कि संघ मजबूत संगठन नेता चाहता है।

अखबार से बातचीत में भाजपा के अंदरूनी सूत्र ने कहा, उपराष्ट्रपति उम्मीदवार का नाम तय करने के लिए होने वाली मीटिंग में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगले भाजपा अध्यक्ष के लिए चर्चा कर सकते हैं। मुद्दे के समाधान के लिए इसे आरएसएस नेतृत्व के साथ उठाया जाएगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि भाजपा ने दो ओबीसी मंत्रियों का नाम आगे बढ़ाया है, जिनमें शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव शामिल हैं। सूत्रों ने अखबार को बताया कि जाहिर तौर पर संघ किसी भी नाम से सहमत नहीं है, लेकिन पीएम मोदी के व्यक्तिगत हस्तक्षेप से चर्चा आगे बढ़ सकती है।

भाजपा के एक नेता ने टेलीग्राफ इंडिया से कहा, गतिरोध को दूर करने के लिए मोदी जी खुद ही आरएसएस नेतृत्व से बात कर सकते हैं। संघ के साथ अगले उपराष्ट्रपति के नाम पर भी चर्चा की जा सकती है।

शिवसेना एक ही है...; जन्मदिन पर राज के मातोश्री पहुंचने पर गदगद हुए उद्धव ठाकरे

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने रविवार को जन्म दिवस की शुभकामनाओं के लिए सभी लोगों का शुक्रिया अदा किया। इसी बीच वर्षों बाद उन्हें शुभकामनाएं देने मातोश्री पहुंचे चचेरे भाई राज ठाकरे को भी उन्होंने विशेष धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि राज मेरे जन्मदिन पर यहां आए और मुझे शुभकामनाएं दीं यह मेरे लिए बहुत मायने रखता है। उनके आने से मेरी खुशी दोगुनी हो गई है।एएनआई से बात करते हुए शिवसेना यूबीटी के प्रमुख नेता उद्धव ने शिवसेना की एकता की बात दोहराई। उन्होंने कहा, शिवसेना एक ही है। कहीं भी दो शिवसेना नहीं है। राज ने बालासाहेब ठाकरे के दर्शन किए और उन्हें श्रद्धांजलि भी दी है। एक लंबे समय के बाद राज यहां आए हैं और मेरे जन्मदिन पर मुझे शुभकामनाएं दी है। यह मेरे लिए वास्तव में बहुत मायने रखता है।आपको बता दें कुछ हफ्ते पहले दोनों ठाकरे भाइयों ने एक साथ आकर महाराष्ट्र की राजनीति में नया समीकरण खड़ा कर दिया था। दोनों भाइयों ने मराठी अस्मिता की बात करते हुए अब एक-दूसरे के साथ रहने की ही बात कही थी। हालांकि सियासी गलियारों में इस बात की चर्चा थी कि क्या राज ठाकरे उद्धव के जन्म दिन पर मातोश्री पहुंचकर उनको बधाई देंगे। क्योंकि बाला साहेब ठाकरे के निधन के बाद, राज केवल एक बार मातोश्री गए थे।

मणिपुर में जबरन वसूली में शामिल पांच उग्रवादी गिरफ्तार

इंफाल, एजेंसी। सुरक्षा बलों ने इंफाल पूर्व और थौबल जिलों से तीन प्रतिबंधित संगठनों के पांच उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है जो कथित रूप से जबरन वसूली की गतिविधियों में शामिल थे। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि प्रतिबंधित कांगलेईपाक कम्युनिस्ट पार्टी (अपुनबा सिटी मेइती) के तीन सक्रिय सदस्यों को रविवार को इंफाल पूर्व जिले से गिरफ्तार किया गया। उनमें से दो को हुइड्रोम गांव से उस समय गिरफ्तार किया गया जब वे रंगदारी वसूलने जा रहे थे। पुलिस ने बताया कि बाद में उनसे मिली जानकारी के आधार पर एक अन्य को कैरांग मानिंग लेइकाई इलाके से गिरफ्तार किया गया। प्रतिबंधित कांगलेई यावोल कन्ना लूप (सोरेपा) के एक सक्रिय सदस्य को थौबल जिले से गिरफ्तार किया गया। केसीपी (एमएफएल) के एक उग्रवादी को इंफाल पूर्व जिले के एशिंगथेम्बी मापन स्थित उसके घर से गिरफ्तार किया गया।

पहलगाम हमले के आतंकवादियों की गिरफ्तारी और पहचान नहीं होने पर पी चिदंबरम सवाल उठाए

नईदिल्ली, एजेंसी। वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री पी चिदंबरम ने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर सरकार की नीति पर आपत्ति दर्ज कराई है। हाल ही में एक साक्षात्कार के दौरान उन्होंने आतंकवादियों की गिरफ्तारी और पहचान नहीं होने पर उन्होंने सवाल उठाए। उन्होंने सरकार से पूछा है कि कैसे मान लिया गया कि आतंकवादी पाकिस्तान से आए थे। 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारतीय सेना ने पाकिस्तान में आतंकवादी ठिकानों को निशाना बनाया था।क्विंट से बातचीत में चिदंबरम ने कहा, हमें अलग-अलग अधिकारियों से थोड़ी बहुत जानकारी मिल रही है। सीडीएस सिंगापुर जाते हैं और बयान देते हैं, जहां से थोड़ी सी जानकारी मिलती है। सेना के उप प्रमुख मुंबई में बयान देते हैं। इंडोनेशिया में नौसेना के जूनियर अधिकारी बयान देते हैं। लेकिन हमारे प्रधानमंत्री या रक्षा मंत्री या विदेश मंत्री कोई बयान क्यों नहीं दे रहे?

जब सवाल किया गया कि आपके हिसाब से क्या छिपाया जा रहा है, तो उन्होंने कहा, मुझे लगता है

और ये अटकलें हैं। मुझे लगता है कि वे यह छिपाना चाहते हैं कि रणनीतिक स्तर पर कोई चूक हुई है और हमने फिर से रणनीति बनाई, तो कौन सी रणनीतिक गलतियां हुई हैं। सीडीएस ने ऐसे संकेत दिए थे। दोबारा रणनीति क्या बनाई गई थी। या तो भाजपा सरकार में इन सवालों का जवाब देने की क्षमता नहीं है या वे देना नहीं चाहते।पूर्व केंद्रीय मंत्री ने एनआईए यानी नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी को लेकर कहा, एनआईए ने हफ्तों में क्या किया, वे ये सब छिपाना चाहते हैं। क्या उन्होंने आतंकवादियों की पहचान कर ली। वो कहां से आए थे। हम सिर्फ ये जानते हैं कि वे स्थानीय आतंकी थे। आपने ऐसा क्यों मान लिया कि वो पाकिस्तान से आए थे? इस बात का कोई सबूत नहीं है।उन्होंने कहा, वो नुकसान को भी छिपा रहे हैं। मैंने एक कॉलम में कहा था कि नुकसान दोनों तरफ से होता है। मैं समझता हूं कि भारत को भी नुकसान हुआ होगा। खुलकर बात कीजिए।

भाजपा भड़की

कांग्रेस नेता की टिप्पणियों पर भाजपा ने निशाना साधा है। पार्टी के आईटी हेड अमित मालवीय ने कहा, एक बार फिर कांग्रेस ने पाकिस्तान को जल्दी से क्लीन चिट दे दी। इस बार पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद। उन्होंने कहा, ऐसा क्यों होता है कि हर बार हमारे बल पाकिस्तान समर्थित आतंकवाद को चुनौती देते हैं, तो कांग्रेस भारत का विपक्ष होने के बजाए इस्लामाबाद का वकील जैसे बात करने लगती है।

एयर इंडिया ने अहमदाबाद विमान हादसे के पीड़ित परिवारों को मुआवजा देना शुरू किया

अहमदाबाद, एजेंसी। एयर इंडिया ने 12 जून को अहमदाबाद विमान दुर्घटना में जान गंवाने वालों के परिवारों को मुआवजा देना शुरू कर दिया है। एयरलाइन ने कहा कि उसने प्रभावित परिवारों को 25 लाख रुपए की अंतरिम मुआवजा राशि जारी करना शुरू कर दिया है। इसके अलावा टाटा समूह ने भी प्रभावित परिवारों को एक करोड़ रुपए की अनुग्रह राशि देने का वादा किया है।एयर इंडिया ने 12 जून को अहमदाबाद विमान दुर्घटना में जान गंवाने वाले 166 पीड़ितों के परिवारों को अंतरिम मुआवजा जारी करना शुरू कर दिया है।

शनिवार को जारी एक प्रेस बयान में एयरलाइन ने कहा कि उसने प्रभावित परिवारों को 25 लाख रुपए की अंतरिम मुआवजा राशि जारी करना शुरू कर दिया है।एयरलाइन ने पीड़ित परिवारों को तत्काल मदद के लिए अंतरिम भुगतान की घोषणा की थी, जिसे 75 लाख रुपए के अंतिम मुआवजे में समायोजित किया जाएगा। एयरलाइन ने कहा कि एयर इंडिया ने अब तक 229 मृत यात्रियों में से 147 और

दुर्घटनास्थल पर जान गंवाने वाले 19 लोगों के परिवारों को अंतरिम मुआवजा जारी कर दिया है।इस बीच, एयर इंडिया ने 52 अन्य यात्रियों के जरूरी दस्तावेजों का भी सत्यापन किया है। एयर इंडिया ने कहा है कि उनके परिवारों को अंतरिम मुआवजा किस्तों में जारी किया जाएगा।

इसके अलावा, टाटा समूह ने दुर्घटना के पीड़ितों के लिए एआई-171 मेमोरियल एंड वेलफेयर ट्रस्ट की स्थापना की है। उसने सभी मृतकों के प्रभावित परिवारों को एक करोड़ रुपए की अनुग्रह राशि देने का वादा किया है। ट्रस्ट बी जे मेडिकल कॉलेज के बुनियादी ढांचे के पुनर्निर्माण में भी सहयोग करेगा, जहां विमान दुर्घटनाग्रस्त हुआ था। ट्रस्ट घटना के बाद मदद करने वाले राहत कर्मियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और सरकारी कर्मचारियों को भी सहायता प्रदान करेगा। उधर, सुरक्षा को लेकर सरकार ने एयर इंडिया के प्रबंधन के साथ सीधी बातचीत शुरू कर दी है। पहली बैठक 23 जुलाई को हुई। सरकार ने एयरलाइन को उच्चतम सुरक्षा मानकों को बनाए रखने का निर्देश दिया है। इसके संचालन का पुनर्मूल्यांकन करने के लिए एक महीने की समय-सीमा निर्धारित की है।

पंजाब में कबूतर चुराने के आरोप में 13 वर्षीय लड़के की हत्या, तीन लोगों पर मामला दर्ज

मानसा, एजेंसी। पंजाब के मानसा जिले में कबूतर चुराने के आरोप में तीन ग्रामीणों ने कथित तौर पर 13 वर्षीय एक लड़के की हत्या कर दी। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सातवीं कक्षा के छात्र राजा सिंह का शव शनिवार रात मानसा के सरदुलगढ़ स्थित रोड़की गांव के बाहर एक पेड़ के पास पाया गया।पीड़ित के परिवार द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार, लड़का शनिवार शाम को लापता हो गया था।

पुलिस ने परिजन के हवाले से बताया कि आरोपियों में से एक ने लड़के पर कबूतर चुराने का आरोप लगाकर उसे गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी थी। लड़के के पिता के बयान के आधार पर, पुलिस ने उसी गांव के तीन कबूतर पालकों तरलोचन सिंह, काला सिंह और तेजा सिंह के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया। जब पुलिस से पूछा गया कि लड़के की हत्या कैसे की गई, तो उसने कहा कि मौत का सही कारण पोस्टमार्टम के बाद पता चलेगा।

धर्मांतरण पर नया कानून ला रही छत्तीसगढ़ सरकार, सीएम साय का बड़ा ऐलान

रायपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने रविवार एक बड़ा ऐलान करते हुए कहा कि प्रदेश में रोज किसी न किसी जगह से धर्मांतरण की खबर आ रही जिसे लेकर हमारी सरकार धर्मांतरण पर नया कानून लाने जा रही है। सीएम साय शदाणी दरबार में आयोजित हिंदू राष्ट्रीय अधिवेशन के कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बताया कि नए कानून का ड्राफ्ट तैयार हो रहा है। इस ड्राफ्ट को विधानसभा के अगले सत्र में सदन के पटल पर रखा जाएगा। सीएम ने अपने संबोधन में कहा कि राज्य में कोई भी गाय सड़कों पर नहीं दिखनी चाहिए और इसके लिए ठोस कदम उठाए जा रहे हैं।मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बताया कि राज्य में सवा सौ पंजीकृत गौशालाएं हैं, जिन्हें पांच लाख से बढ़ाकर 25 लाख रुपये की सहायता दी जा रही है। नगरीय क्षेत्रों में भी गौशालाएं बनाई गई हैं और निर्देश दिए गए हैं कि सड़कों पर मवेशी नजर नहीं आने चाहिए।मुख्यमंत्री ने कहा- जब गाय दूध देना बंद कर देती है, तो उसे लोग सड़कों पर उनके हाल पर छोड़ देते हैं। यह स्थिति ठीक नहीं है।

हिंदू भाइयों को इस पर ध्यान देना होगा। उन्होंने भरोसा दिया कि आने वाले समय में सड़कों पर कोई मवेशी नहीं दिखेगा।मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने जशपुर का जिक्र करते हुए कहा कि वहां एशिया का दूसरा सबसे बड़ा चर्च है लेकिन दिलीप सिंह जूदेव और उनके पुत्र प्रबल प्रताप जूदेव ने घर वापसी अभियान को मजबूती दी है।

बिहार में 2005 के बाद पहली बार घट सकते हैं मतदाता

नईदिल्ली, एजेंसी। बिहार में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) के तहत मतदाता सूची की गणना के दौरान 72.4 मिलियन फॉर्म इकट्ठा हुए हैं। यह संख्या 24 जून को राज्य में दर्ज मतदाताओं की संख्या से 6.5 मिलियन (8 प्रतिशत) कम है, जो कि एसआईआर शुरू होने से एक दिन पहले थी। 2024 के लोकसभा चुनाव के दौरान की संख्या से 4.8 मिलियन (6.2 प्रतिशत) कम है। 2020 के राज्य विधानसभा चुनाव के दौरान की संख्या से 1.2 मिलियन (1.6 प्रतिशत) कम है।

सोनीपत में सीआरपीएफ जवान की गोली मारकर हत्या, कांवड़ लाने के दौरान हुआ था झगड़ा

सोनीपत , एजेंसी। सोनीपत के गोहाना के गांव खेड़ी दमकन में रविवार देर रात एक सीआरपीएफ जवान की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान कृष्ण के रूप में हुई है, जो कुछ समय से छुट्टी पर गांव आया हुआ था। जवान 2 बच्चों का पिता था, जिनमें से एक बच्चे का जन्म 3 दिन पहले ही हुआ है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया।पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव में माहौल तनावपूर्ण है और पुलिस आरोपियों की गिरफ्तारी में जुटी है। कृष्ण का कुछ दिन पहले गांव के ही युवकों से डाक कांवड़ लाने के दौरान झगड़ा हुआ था। इसी रंजिश में उसकी हत्या हुई है।

घर से बुलाकर मारी गोली: गांव खेड़ी दमकन निवासी कृष्ण करीब 9 साल पहले सीआरपीएफ में भर्ती हुआ था। उसकी शादी सात साल पहले हुई थी और उसका एक 6 साल का बेटा है। दूसरे बेटे का जन्म 3 दिन पहले ही हुआ था। कृष्ण एक महीने की छुट्टी पर घर आया था। रात करीब 1 बजे गांव के ही कुछ युवक कृष्ण को घर से बाहर बुलाकर ले गए और वहीं उस पर गोलियां चला दीं। गोली लगने से जवान की मौके पर ही मौत हो गई।

राजस्थान में खस्ताहाल स्कूलों पर बुलडोजर चलाएगी सरकार, 7500 की होगी मरम्मत

जयपुर, एजेंसी। झालावाड़ में दो दिन पहले हुए दर्दनाक स्कूल हादसे के बाद शिक्षा विभाग पूरी तरह एक्शन मोड में आ गया है। हादसे में 7 मासूमों की जान जाने के बाद अब पूरे प्रदेश के स्कूल भवनों की खामियों पर सरकार ने सख्त रुख अपनाया है। रविवार को शिक्षामंत्री मदन दिलावर की अध्यक्षता में हुई उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में जर्जर स्कूलों को तोड़ने और वैकल्पिक रूप से कंटेनर क्लासरूम्स में पढ़ाई शुरू कराने का निर्णय लिया गया। साथ ही, 7500 से अधिक सरकारी स्कूलों की मरम्मत के लिए 150 करोड़ रुपये का बजट स्वीकृत किया गया है।

बैठक में निर्णय हुआ कि राज्य के सभी सरकारी और निजी स्कूलों की इमारतों का कलेक्टरों के माध्यम से व्यापक सर्वे कराया जाएगा। जिन स्कूल भवनों को जर्जर पाया जाएगा, उन्हें लाल क्रॉस के निशान से चिह्नित कर तत्काल बंद कर दिया जाएगा। ऐसे भवनों को प्राथमिकता से गिराकर वहां कंटेनर कक्षाओं की व्यवस्था की जाएगी, ताकि बच्चों की

पढ़ाई बाधित न हो और सुरक्षा भी सुनिश्चित की जा सके।शिक्षामंत्री ने बताया कि सर्वे के बाद सभी स्कूल भवनों का डिजिटल डेटा एक जीआईएस आधारित ऐप में संकलित किया जाएगा, जिसे शाला दर्पण से जोड़ा जाएगा। इसके लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) तकनीक का भी उपयोग होगा, जिससे भविष्य में भवनों की निगरानी और मरम्मत का समय पर प्रावधान हो सके। आपदा प्रबंधन कोष से 170 तहसीलों में 7500 स्कूलों के लिए मरम्मत कार्य को प्राथमिकता पर लेकर 150 करोड़ रुपये का प्रस्ताव मंजूर किया गया है।स्कूल भवनों के निर्माण में लापरवाही सामने आने पर जिम्मेदारों पर अब जवाबदेही तय की जाएगी। दिलावर ने बताया कि समग्र शिक्षा अभियान के तहत एक विशेष प्रकोष्ठ बनाया जाएगा जो निर्माण कार्यों की गुणवत्ता की निगरानी करेगा। पीडब्ल्यूडी की लेब से निर्माण सामग्री की जांच होगी और यदि घटिया निर्माण की पुष्टि होती है तो ठेकेदारों और अभियंताओं से नुकसान की वसूली की जाएगी।केवल सरकारी ही नहीं, प्राइवेट स्कूलों की बिल्डिंग्स और ट्रांसपोर्ट सिस्टम की भी जांच की जाएगी। स्कूल वाहन फिटनेस, ड्राइवर की मेडिकल जांच और अन्य सुरक्षा मानकों की निगरानी शिक्षा विभाग द्वारा की जाएगी।

19 साल की दिव्या देशमुख ने चेस विमेंस वर्ल्डकप जीता

वर्ल्ड चैंपियन बनने वाली पहली भारतीय महिला; भारत की ही कोनेरू हम्पी को फाइनल हराया

नई दिल्ली, एजेंसी। 19 साल की दिव्या देशमुख ने चेस का फिडे महिला वर्ल्ड कप जीत लिया है। उन्होंने फाइनल में भारत की ही कोनेरू हम्पी को टाईब्रेक राउंड में हराकर खिताब जीता। वर्ल्ड चैंपियन बनने के साथ वे भारत की 88वीं ग्रैंडमास्टर भी बन गईं। टूर्नामेंट में दिव्या ने कई टॉप रैंक प्लेयर्स को हराया और फाइनल में जगह बनाई। हम्पी के खिलाफ फाइनल में दिव्या ने दोनों प्रमुख मुकाबले ड्रॉ खेले। जिसके बाद सोमवार को टाईब्रेक राउंड हुआ, जिसमें दिव्या ने 2.5-1.5 के स्कोर से बाजी मारी। मैच के बाद हम्पी ने कहा कि 12वीं चाल के बाद उन्हें समझ नहीं आया कि अब क्या करना है। हालांकि, 54वीं चाल में दिव्या ने जरूरी बढ़त हासिल कर ली। जिसके बाद हम्पी ने रिजाइन कर दिया और दिव्या को जीत मिली।

दिव्या को 42 लाख मिलेंगे

फिडे विमेंस वर्ल्ड कप जीतने पर दिव्या को लगभग 42 लाख रुपए मिलेंगे। वहीं वर्ल्ड कप (ओपन सेक्शन) के विजेता को लगभग 91 लाख मिलते हैं।

विमेंस कैंडिडेट्स के लिए क्वालिफाई किया

दिव्या ने वर्ल्ड चैंपियन बनने के साथ अगले साल के विमेंस कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए भी क्वालिफाई कर लिया। वे इस टूर्नामेंट के लिए क्वालिफाई करने वाली दूसरी ही भारतीय बनीं। कोनेरू हम्पी ने भी फाइनल में जगह बनाने के साथ कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए क्वालिफाई कर लिया।

भारत और पाक एशिया कप पर बयान देने पर बुरी तरह फंसे सौरव गांगुली, सोशल मीडिया पर हुई थू-थू

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और दादा के नाम से मशहूर सौरव गांगुली अपने एक हालिया बयान के चलते सोशल मीडिया पर बुरी तरह घिर गए हैं। उन्होंने एशिया कप 2025 में भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले मैच को लेकर टिप्पणी की थी, जिसके बाद से उन्हें फैंस की भारी आलोचना का सामना करना पड़ रहा है।

क्या कहा था गांगुली ने

एशिया कप 2025 का शेड्यूल जारी हो चुका है और इस टूर्नामेंट में भारत-पाकिस्तान का बहुप्रतीक्षित मुकाबला 14 सितंबर को खेला जाएगा। इसी मैच को लेकर जब सौरव गांगुली से पूछा गया, तो उन्होंने बात करते हुए कहा, मुझे इससे कोई समस्या नहीं है। खेल चलते रहना चाहिए। पहलगाम में जो हुआ, वो नहीं होना चाहिए लेकिन खेल जारी रहना चाहिए। आतंकवाद नहीं होना चाहिए, इसे रोका जाना चाहिए। भारत ने आतंकवाद के खिलाफ कड़ा कदम उठाया है। गांगुली के इस बयान का वीडियो सोशल मीडिया पर तेज़ी से वायरल हो रहा है और कई फैंस इसे संवेदनहीन बता रहे हैं। लोगों का मानना है कि पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद ऐसे बयान से बचना चाहिए था।

शादी से पहले इस एक्ट्रेस को डेट कर रहे थे सचिन तेंदुलकर! अब हुआ बड़ा खुलासा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट के दिग्गज सचिन तेंदुलकर को अक्सर ऌश्स्त्र श्द्ध ष्ह्द्धष्द्मद्गह्ल के रूप में जाना जाता है। उन्होंने अपने करियर में न सिर्फ भारत बल्कि पूरी दुनिया में करोड़ों लोगों के दिलों में जगह बनाई। जहां उनकी प्रोफेशनल लाइफ की चर्चा अक्सर होती रहती है, वहीं उनकी पर्सनल लाइफ को लेकर कम ही बातें सामने आती हैं। हाल ही में एक पुराने किस्से ने एक बार फिर सुर्खियां बटोरीं, जब बॉलीवुड की जानी-मानी अभिनेत्री शिल्पा शिरोडकर ने एक इंटरव्यू में सचिन तेंदुलकर से जुड़ी अफवाहों पर खुलकर बात की।

शिल्पा शिरोडकर ने क्या कहा?

शिल्पा शिरोडकर ने इंटरव्यू के दौरान बताया कि जब वह एक फिल्म की शूटिंग कर रही थीं, तभी उन्होंने पहली बार सचिन तेंदुलकर से मुलाकात की थी। उन्होंने कहा, सचिन वहीं रहते थे, जहां मेरा भाई रहता था। दोनों साथ में बांद्रा ईस्ट में क्रिकेट खेला करते थे। उसी समय मैं सचिन से मिली थी। हम अच्छे दोस्त थे और मुझे पहले से पता था कि सचिन और अंजलि एक-दूसरे को पसंद करते हैं, लेकिन तब किसी को इस बारे में जानकारी नहीं थी।

अफेयर की अफवाहें कैसे उड़ीं?

शिल्पा ने यह भी बताया कि वे एक अभिनेत्री थीं और सचिन क्रिकेटर, इसलिए मीडिया और लोगों के लिए दोनों का नाम जोड़ना आसान हो गया। उन्होंने साफ किया कि वे सचिन से केवल एक बार मिली थीं और इसके बाद भी दोनों के बीच कोई व्यक्तिगत संबंध नहीं था। मुझे नहीं पता कि ऐसी अफवाहें क्यों फैलीं, लेकिन शायद इसलिए कि हम दोनों अपने-अपने फील्ड में पॉपुलर थे, उन्होंने हंसते हुए कहा।

25 गेंदों में अर्धशतक, फाइनल में ताबड़तोड़ पारी खेलकर इस खिलाड़ी ने अपनी टीम को बनाया चैंपियन

नई दिल्ली, एजेंसी। टी20 वीमेन ब्लास्ट का फाइनल मैच सरे वूमेन और वारविकशायर वूमेन क्रिकेट टीम के बीच रविवार, 27 जुलाई को खेला गया. वारविकशायर ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 153 रन बनाए. सरे वूमेन टीम ने लक्ष्य को 16.4 ओवरों में हासिल कर 5 विकेट से जीत दर्ज कर खिताब अपने नाम किया. ग्रेस हैरिस ने मैच जिताऊ पारी खेली, उन्होंने 33 गेंदों में नाबाद 63 रन बनाए.सरे वूमेन टीम की कप्तान ब्रायोनी स्मिथ ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया था. पहले ही ओवर में एलेक्सा केट स्टोनहाउस ने मेग ऑस्टिन (4) को आउट कर बड़ी सफलता दिलाई, इसके बाद अगले ही ओवर में दूसरी सलामी बल्लेबाज डेविना बिना खाता खोले आउट हो गई. वारविकशायर वूमेन टीम के लिए कोई प्लेयर बड़ी पारी नहीं खेल सका, टीम के लिए सबसे ज्यादा रन इस्सी वोंग ने बनाए. उन्होंने 19 गेंदों में 4 चौकों की मदद से 31 रन बनाए.सरे टीम के लिए सबसे किफायती फोएबे फ्रेंक्लिन रहीं, उन्होंने अपने 4 ओवरों के स्पेल में सिर्फ 16 रन देकर 2 विकेट लिए. एलेक्सा केट स्टोनहाउस ने भी 2 विकेट चटकाए. एलिस कैप्सी, रियाना मैकडोनाल्ड-गे और डेनिएल लूसी ग्रेगरी को 1-1 विकेट मिला.लक्ष्य का पीछा करने उतरी सरे वूमेन टीम की शुरुआत भी अच्छी नहीं हुई थी, सलामी बल्लेबाज डेनियल व्याट-हॉज (5) दूसरे ही ओवर में आउट हो गई. एलिस कैप्सी के रूप में टीम का तीसरा विकेट 42 के स्कोर पर गिरने के बाद सरे टीम पर दबाव आ गया था लेकिन तब ग्रेस हैरिस ने ताबड़तोड़ पारी खेलकर मैच को एकतरफा बना दिया.

ऋषभ पंत इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें टेस्ट से बाहर, सीएसके का यह खिलाड़ी टीम में शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी। चौथे टेस्ट मैच के दौरान बल्लेबाजी करते समय चोट लगने के बाद भारतीय उप कप्तान ऋषभ पंत एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी 2025 के पांचवे टेस्ट मैच से बाहर हो गए है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड द्वारा सीरीज के आखिरी मुकाबले के लिए उनकी जगह तमिलनाडु के विकेटकीपर बल्लेबाज नारायण जगदीशन को टीम में शामिल किया गया है।

इंग्लैंड खिलाफ चौथे टेस्ट के दौरान पंत के दाहिने पैर में फ्रैक्चर हो गया और बीसीसीआई की टीम उनकी स्थिति पर नजर रख रही है। मैच के पहले दिन बल्लेबाजी करते हुए पंत चोटिल हो गए जिससे कि विकेटकीपर बल्लेबाज पंत को बीच में ही मैदान छोड़कर बाहर जाना पड़ा। फिर रवींद्र जडेजा ने वाशिंगटन सुंदर के साथ पारी को आगे बड़ाया। हालांकि पंत दूसरे दिन फिर से बल्लेबाजी करने आए और भारत के कुल स्कोर में और रन जोड़े। दूसरे दिन उन्होंने 17 रन बनाकर अपना अर्धशतक पूरा किया और फिर जोफ्रा आर्चर की अच्छी गेंद पर आउट होकर वापिस ड्रेसिंग रूम जाना पड़ा।

बीसीसीआई ने एक विज्ञप्ति में जानकारी देते हुए कहा, ऋषभ पंत, जिन्हें मैनचेस्टर में इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट के दौरान दाहिने पैर में फ्रैक्चर हो गया था, श्रृंखला के पांचवें और अंतिम टेस्ट से बाहर हो गए हैं। बीसीसीआई की मेडिकल टीम उनकी प्रगति पर नज़र रखेगी और टीम उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती है। बीसीसीआई ने एक विज्ञप्ति में कहा कि पुरुष चयन समिति ने पांचवें टेस्ट के लिए ऋषभ पंत के प्रतिस्थापन के रूप में नारायण जगदीशन का नाम लिया है, जो 31 जुलाई, 2025 को केनिंग्टन ओवल, लंदन में शुरू होगा। पंत इस सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजो में से थे, उन्होंने सात पारियों में 479 रन बनाए, जिसमें दो शतक और तीन अर्धशतक शामिल है।

पांचवें टेस्ट के लिए भारतीय टीम: शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जयसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, अभिमन्यु ईश्वरन, करुण नायर, रवींद्र जडेजा, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, शार्दुल ठाकुर, जसप्रित बुमराह, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप, कुलदीप यादव, अंशुल कंबोज, अर्शदीप सिंह, एन जगदीसन (विकेटकीपर)।

भारत के खिलाफ पांचवें टेस्ट के लिए इंग्लैंड टीम की घोषणा, स्टार ऑलराउंडर टीम में शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड ने 28 जुलाई को एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के पांचवें और अंतिम टेस्ट के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की। तेज गेंदबाज ऑलराउंडर जेमी ओवरटन को टीम में शामिल किया गया है। ओवरटन को कप्तान बेन स्टोक्स के कवर के तौर पर शामिल किया गया है, जिन्हें मैनचेस्टर टेस्ट के दौरान हैमस्ट्रिंग की समस्या हो गई थी। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड ने भारत के खिलाफ होने वाले पांचवें टेस्ट मैच के लिए एक ऑलराउंडर जेमी ओवरटन की टीम में वापसी की है। यह मैच सीरीज का निर्णायक मुकाबला होगा और दोनों ही टीमें जीत के इरादे से मैदान में उतरेंगी। भारतीय टीम इंग्लैंड को उनके घरेलू मैदान पर कड़ी टक्कर देगी। एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी 2025 अब निर्णायक मोड़ पर पहुंच चुकी है। पांचवें और अंतिम टेस्ट में भारतीय टीम जीत के इरादे से उतरेगी कप्तान शुभमन गिल की अगुआई में भारतीय टीम इस मुकाबले को जीतकर सीरीज 2-2 से ड्रॉ करना चाहेगी। भले ही इंग्लैंड की टीम आक्रामक क्रिकेट खेल रही है लेकिन भारतीय टीम ने अब तक बेहतरीन जज्बा और संयम दिखाया है। इंग्लैंड पर दबाव बनाने के लिए पांचवें टेस्ट मैच में बल्लेबाजो को बड़ा स्कोर बनाना होगा वही गेंदबाजो को भी महत्वपूर्ण समय पर विकेट लेना होगा।

भारत के खिलाफ पांचवें टेस्ट के लिए इंग्लैंड की टीम-बेन स्टोक्स (कप्तान), जोफ्रा आर्चर, गस एटकिंसन, जैकब बेथेल, हैरी ब्रुक, ब्रायडन कार्स, जैक क्रॉली, लियाम डॉसन, बेन डकेट, जेमी ओवरटन, ओली पोप, जो रूट, जेमी स्मिथ (विकेट कीपर), जोश टंग, क्रिस वोक्स।

सुप्रीम कोर्ट से बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन को राहत, फर्जी जन्म प्रमाणपत्र मामले में FIR रद्द

नई दिल्ली, एजेंसी।

अर्जुन अवॉर्ड से सम्मानित और बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता शटलर लक्ष्य सेन पर साल 2022 में उम्र का गलत विवरण देने का आरोप लगा था। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा है कि यह अदालती प्रक्रिया का दुरुपयोग है। सुप्रीम कोर्ट ने जन्म प्रमाण में जालसाजी मामले में भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन को बड़ी राहत दी है। सुप्रीम कोर्ट ने लक्ष्य के खिलाफ एफआईआर रद्द कर दी है। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा है कि लक्ष्य सेन के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही जारी रखना अनुचित है और यह अदालती प्रक्रिया का दुरुपयोग है।

जानें क्या है पूरा मामला

अर्जुन अवॉर्ड से सम्मानित और बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता शटलर लक्ष्य सेन पर साल 2022 में उम्र का गलत विवरण देने का आरोप लगा था। बेंगलुरु पुलिस ने नागराजा एमजी नाम के शख्स की शिकायत के बाद लक्ष्य के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की थी। लक्ष्य सेन पर जूनियर स्तर पर प्रतिस्पर्धा करते हुए आयु-प्रतिबंधित टूर्नामेंटों में प्रवेश पाने के लिए अपनी उम्र में हेरफेर करने का आरोप लगा था। इसके बाद एक स्थानीय अदालत ने पुलिस को लक्ष्य के खिलाफ आरोपों की जांच करने का निर्देश दिया था। लक्ष्य बेंगलुरु में प्रकाश पादुकोण बैडमिंटन एकेडमी में प्रशिक्षण लेते हैं। एफआईआर में नामित लोगों में लक्ष्य, उनके कोच विमल कुमार, उनके पिता धीरेंद्र सेन, उनके भाई चिराग और मां निर्मला सेन के नाम शामिल थे। लक्ष्य और बाकी लोगों पर धारा 420 (धोखाधड़ी), 468 (धोखाधड़ी के उद्देश्य से जालसाजी) और 471 (जाली रिकॉर्ड को वास्तविक के रूप में उपयोग करना) समेत विभिन्न आईपीसी धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था।

सुप्रीम कोर्ट ने लक्ष्य को दी बड़ी राहत

याचिकाकर्ताओं ने 2022 में कर्नाटक हाई कोर्ट का रुख किया था। मामले पर सुनवाई करते हुए कर्नाटक हाईकोर्ट ने लक्ष्य, उनके परिवार और कोच विमल कुमार की ओर से दाखिल याचिकाओं को खारिज करते हुए फर्जी जन्म प्रमाणपत्र मामले की जांच आदेश दिए थे। हाईकोर्ट से याचिकाएं खारिज होने के बाद लक्ष्य और उनके परिवार ने तत्काल सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था।

मुकाबला ड्रॉ, फिर भी टीम इंडिया के नाम दर्ज हुआ वर्ल्ड रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ चौथा टेस्ट मैच ड्रॉ पर समाप्त किया। इसी के साथ टीम इंडिया के नाम वर्ल्ड रिकॉर्ड दर्ज हो गया। भारत एक ही टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा बार 350+ रनों का आंकड़ा छूने वाला देश बन गया है। इस मामले में टीम इंडिया ने ऑस्ट्रेलिया को पछाड़ दिया। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने अपने ही घर पर साल 1920-21 में इंग्लैंड के विरुद्ध एक ही टेस्ट सीरीज में छह बार 350+ रन बनाए। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया ने विदेशी सरजमीं पर इंग्लैंड के खिलाफ साल 1948 और 1989 में खेली गई सीरीज में इस कारनामे को दोहराया। दोनों बार ऑस्ट्रेलिया ने सीरीज में छह-छह दफा 350+ रन बनाए। भारत ने लीड्स में खेले गए टेस्ट सीरीज के पहले मुकाबले में 471 और 364 रन बनाए थे। इसके बाद एजबेस्टन में टीम इंडिया ने पहली पारी में 587 रन बनाए, जबकि अगली इनिंग 427/6 के स्कोर पर घोषित की। टीम इंडिया ने तीसरे टेस्ट की पहली पारी में 387 रन जोड़े, जबकि अगली पारी में 170 रन पर सिमट गई। चौथे टेस्ट की पहली पारी में 358 रन बनाने के बाद भारत ने दूसरी इनिंग में चार विकेट खोकर 425 रन बनाए। मैनचेस्टर में खेले गए चौथे टेस्ट मैच की बात करें, तो टॉस हारकर बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने पहली पारी में 358 रन बनाए। टीम इंडिया की ओर से यशस्वी जायसवाल, साई सुदर्शन और ऋषभ पंत ने अर्धशतक जमाए। विपक्षी टीम की ओर से बेन स्टोक्स ने सर्वाधिक पांच शिकार किए। इसके जवाब में इंग्लैंड ने पहली पारी में 669 रन बना दिए। मेजबान टीम की ओर से जो रूट ने 150, जबकि बेन स्टोक्स ने 141 रन टीम के खाते में जोड़े।

पुलिस परेड ग्राउंड में गरिमा और उत्साह से मनेगा स्वतंत्रता दिवस का समारोह

मुख्य समारोह की तैयारियों के संबंध में बैठक

सतना। स्वतंत्रता दिवस का जिला स्तरीय मुख्य समारोह 15 अगस्त को पुलिस परेड ग्राउण्ड सतना में गरिमा और उल्लासपूर्वक मनाया जायेगा। मुख्य समारोह के आयोजन की तैयारियों के संबंध में कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने सोमवार को बैठक लेकर विभिन्न विभागों को आयोजन की जिम्मेदारियों सौंपी है। इस मौके पर सीईओ जिला पंचायत संजना जैन, आयुक्त नगर निगम शेर सिंह मीना, सहायक कलेक्टर अनिकेत शांडिल्य, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवेश सिंह, एसडीएम एपी द्विवेदी, जीतेंद्र वर्मा, एलआर जांगडे, राहुल सिलाडिया, आरएन खरे सहित जिला विभाग प्रमुख अधिकारी, जनपद के सीईओ, सहित सभी विभागों के जिला अधिकारी मौजूद रहे।

कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने स्वतंत्रता दिवस समारोह के आयोजन की तैयारियों की समीक्षा करते हुए जिला अधिकारियों को शासन द्वारा आयोजन के संबंध में जारी दिशा-निर्देशों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि जिले में स्वतंत्रता दिवस को पूर्ण गरिमा, उत्साह और उल्लास के साथ मनाया जाये। ग्राम पंचायत, जनपद पंचायत, नगरीय निकायों, शासकीय भवनों और कार्यालयों मे ध्वाजारोहण के दौरान ध्वज संहिता का अनिवार्य रूप से पालन किया जाये। राष्ट्रीय कार्यक्रम में जिले के सभी अधिकारी-कर्मचारी अपने कार्यालयों में ध्वाजारोहण प्रात: 8.15 बजे तक संपन्न कर जिले के मुख्य समारोह में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहेंगे। स्वतंत्रता दिवस के कार्यक्रमों में मिनट टू मिनट और कार्यक्रमों की समय सीमा का दृढता से पालन किया जाये। कलेक्टर ने कहा कि कार्यक्रम के दौरान और रिर्हसल में मेडीकल टीम तथा पेयजल की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित कराये। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर पुरूस्कृत किये जाने वाले अधिकारी-कर्मचारियों को असाधारण अथवा उल्लेखनीय कार्यों के लिए ही नाम प्रस्तावित करे। इसके अलावा विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियों के लिए पुरूस्कृत होने वाले व्यक्तियों तथा राष्ट्रीय स्तर पर चयनित खिलाडियों सहित देहदान और अंगदान करने वाले व्यक्तियों के परिजनों को भी सम्मानित किया जायेगा। उन्होंने कहा कि जनवरी 2025 से लेकर जुलाई तक सीएम हेल्पलाइन में स्टेट लेवल पर टॉप 10 में रहे जिला अधिकारियों को भी पुरूस्कृत किया जायेगा। कार्यक्रम के आयोजन में समय की पाबंदी का विशेष ध्यान रखा जाये। डिप्टी कलेक्टर बीके मिश्रा ने बताया कि कलेक्टर कार्यालय में प्रात: 8 बजे ध्वाजारोहण होगा। सभी कार्यालयों में 8.15 बजे तक ध्वाजारोहण कार्यक्रम संपन्न कर मुख्य समारोह में शासकीय अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित होंगे। पुलिस परेड ग्राउण्ड में ठीक प्रात: 9 बजे मुख्य अतिथि द्वारा ध्वाजारोहण कर परेड की सलामी ली जायेगी। मुख्यमंत्री के प्रदेश की जनता के नाम संदेश वाचन किया जायेगा। सभी राष्ट्रीय एवं ऐतिहासिक महत्व के भवन, शासकीय कार्यालयों में पूर्व संध्या पर रोशनी की जायेगी। स्वतंत्रता दिवस के कार्यक्रमों की तैयारियों का पूर्वाभ्यास 3 से 12 अगस्त तक पुलिस परेड ग्राउण्ड पर किया जायेगा। फुल ड्रेस, फाइनल रिर्हसल 13 अगस्त को प्रात: 9 बजे से किया जायेगा। समरोह में बैठक व्यवस्था, पेयजल, विद्युत, साफ-सफाई, विद्युत, मेडीकल टीम, सुरक्षा व्यवस्था, साज-सज्जा एंव ग्राउण्ड की अन्य सभी व्यवस्थाओं के लिए विभागीय अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिये गये।

समिति और दुकानवार उपलब्ध उर्वरकों की जानकारी प्रतिदिन दें: कलेक्टर

सतना

कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने खरीफ मौसम के लिए उर्वरक वितरण से जुडे अधिकारियों से कहा है कि जिले में किसानों को उर्वरक समय पर बिना किसी असुविधा उपलब्ध कराना सुनिश्चित करे। उन्होंने मार्कफेड के अधिकारी को निर्देशित किया कि समिति और निजी दुकानों में उपलब्ध उर्वरक मात्रा की जानकारी प्रतिदिन सार्वजनिक करें ताकि किसान वहां से खाद का उठाव कर सके। सोमवार को समय सीमा प्रकरणों की बैठक में कलेक्टर ने यह निर्देश दिये। इस मौके पर सीईओ जिला पंचायत संजना जैन, आयुक्त नगर निगम शेर सिंह मीना, सहायक कलेक्टर अनिकेत शांडिल्य, एसडीएम एपी द्विवेदी, जीतेंद्र वर्मा, एलआर जांगडे, राहुल सिलाडिया, आरएन खरे सहित जिला विभाग प्रमुख अधिकारी, जनपद के सीईओ, सहित सभी विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित थे।

समय-सीमा प्रकरणों की बैठक में उर्वरक वितरण के संबंध में समीक्षा के दौरान बताया कि जिले में 4 डबल लॉक केन्द्रों में से शेरगंज डबल लॉक केन्द्र से और समितियों तथा निजी दुकानों से उर्वरक का वितरण किसानों को आवश्यकतानुसार किया जा रहा है। कलेक्टर ने अतिवृष्टि के दौरान हुई आपदा की घटनाओं में आरबीसी 6-4 के तहत स्वीकृत राहत राशि की समीक्षा की। बताया गया कि जनहानि के सभी 13 प्रकरणों में आरबीसी 6-4 के तहत 4-4 लाख रूपये परिजनों के खातों में उपलब्ध करा दिये गये हैं। चित्रकूट में घर के अंदर पानी प्रवेश होने से लगभग 400 प्रभावित परिवारों को 50-50 किलो खाद्यान्न नि:शुल्क उपलब्ध कराया जा रहा है। इसके अतिरिक्त 25 गरीब परिवारों को रेडक्रास से कपडे और बर्तन भी उपलब्ध कराये जा रहे हैं। कलेक्टर ने हिट एण्ड रन प्रकरणों में अब तक स्वीकृत सहायता राशि की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि गुरूवार को होने वाली बैठक में सभी संबंधित तहसीलदार अधिकारियों की बैठक में लंबित 61 प्रकरणों का निराकरण करायेंगे। कलेक्टर ने शिक्षा विभाग के जीर्ण-शीर्ण एवं मरम्मत स्कूलों की जानकारी लेते हुए कहा कि जिला शिक्षा अधिकारी और डीपीसी तथा ब्लाक लेवल के शिक्षा अधिकारी सुनिश्चित करें कि इन भवनों में किसी भी प्रकार की दुर्घटना नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि क्षति ग्रस्त भवनों में प्रवेश द्वार और आने-जाने के रास्ते पूरी तरह से बंद करें। ताकि बच्चे और कोई भी व्यक्ति इन भवनों में नहीं जाये। जीर्ण-शीर्ण और मरम्मत योग्य स्कूल भवनों का सर्वे कर मरम्मत हो सकने वाले भवनों की मरम्मत कराये और जीर्ण-शीर्ण भवनों के डिसमेंटल की कार्यवाही करें। सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने कहा कि 50 दिवस से ऊपर की सभी लंबित शिकायतों को संतुष्टिपूर्ण निराकरण कर बंद कराये। इनमें जुलाई माह की शिकायतों को आवेदक से बातचीत कर संतुष्टिपूर्ण निराकरण करें। अन्यथा की स्थिति में पूरी नहीं की जाने वाली शिकायतों और अतिरिक्त मांग की शिकायतों को डिमाण्ड क्लोजर कराये। उन्होंने कहा कि जुलाई माह की शिकायतों को फोर्स क्लोज नहीं किया जायेगा। कलेक्टर ने वृक्षारोपण, कैशलेस इलाज, राहगीर योजना की भी समीक्षा की।

थेलेसीमिया जांच शिविर कल 30 जुलाई को

मैहर। सर्व सिंधी समाज मैहर के तत्वावधान में कल बुधवार 30 जुलाई को सिंधी धर्मशाला में थेलेसीमिया जांच शिविर लगाया जाएगा। जिसमें सभी समाजों के लोग पहुंचकर लाभ उठा सकते हैं यह जांच मुंबई की टीम द्वारा सिर्फ 150/- में की जाएगी। बाजार में इस जांच का मूल्य का काफी अधिक होने से लोग यह जांच नहीं करवा पाते इसलिए जनहित को ध्यान में रखते हुए सिंधी समाज ने मुंबई एवं सतना की टीम के सहयोग से शिविर आयोजित किया है। थेलेसीमिया एक वंशानुगत बीमारी है जो अधिकतर बच्चों में होती है यह बीमारी तब जानलेवा हो जाती है जब पति और पत्नी दोनों की रिपोर्ट थेलेसीमिया माइनर हो। किसी भी एक व्यक्ति के थैलेसीमिया माइनर होने से होने वाली संतान पर कोई भी फर्क नहीं पड़ता लेकिन अगर पति पत्नी दोनों ही माइनर हुए तो होने वाली संतान को मेजर थेलेसीमिया होने का खतरा होता है जिससे बच्चे का शरीर खुद खून नहीं बना पाता इसलिए शादी से पहले पति पत्नी को यह जांच अवश्य करवानी चाहिए। इस बावत सिंधी समाज के संगठनों की बैठक मंगल भवन में आयोजित की गई जिसमें यह तय किया गया कि घर घर जाकर सभी समाज के लोगों को जागरूक कर इस जांच को करवाने प्रेरित किया जाएगा।

अब तक अजयगढ़ में हुई सर्वाधिक वर्षा

पन्ना। पन्ना जिले में अब तक 777.3 मिमी अर्थात् 30.6 इंच औसत वर्षा दर्ज की जा चुकी है। गत वर्ष उक्त अवधि में 441.9 मिमी अर्थात् 17.4 इंच औसत वर्षा दर्ज की गई थी। जिले की औसत वर्षा 1176.4 मिमी है। अधीक्षक भू अभिलेख कार्यालय से मिली जानकारी अनुसार इस वर्ष एक जून से 26 जुलाई की अवधि में वर्षामापी केन्द्र अजयगढ़ में सर्वाधिक वर्षा 919 मिमी एवं सिमरिया में सबसे कम 510.4 मिमी वर्षा दर्ज की गई है, जबकि देवेन्द्रनगर में 810.3 मिमी, गुनौर में 827.1 मिमी, अमानगंज में 908.2 मिमी, पवई में 707 मिमी, शाहनगर में 745.3 मिमी तथा रैपुरा में 759.7 मिमी वर्षा दर्ज की जा चुकी है।

जिला सैनिक कल्याण अधिकारी 30 जुलाई को रामपुर बघेलान में

सतना। जिला सैनिक कल्याण अधिकारी सतना कर्नल मुनीन्द्र त्रिपाठी (से.नि.) द्वारा जिले के भूतपूर्व सैनिको एवं उनकी विधवाओ के कल्याणार्थ जानकारी देने तथा उनकी समस्याये सुनने के लिये 30 जुलाई को प्रात: 11.30 बजे तहसील रामपुर बघेलान में उपस्थित रहेंगे। जिसमें सभी भूतपूर्व सैनिको एवं उनकी विधवाओ से उपस्थित होने का आग्रह किया गया है।

महिला सफाई कर्मियों(सेवा कर्मी) को मिलेगा रक्षाबंधन में तोहफा

मैहर विधायक नगर पालिका सफाई महिला कर्मियों को देंगे 2500 रुपए उपहार

मैहर। मैहर के लोकप्रिय विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी ने रक्षाबंधन के अवसर पर मैहर नगर पालिका परिषद में सेवा कार्य सफाई का काम करने वाली बहनों को रक्षाबंधन के तोहफा स्वरूप ?2500 प्रत्येक बहनों को उपहार स्वरूप 3 अगस्त को देंगे इस संबंध में जानकारी देते हुए मैहर विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी ने बताया कि रक्षाबंधन भाई बहन के पवित्र रिश्ते का पर्व है, इस पर्व को पूरे देश दुनिया में बड़ी खुशी से मनाया जाता है इसी कड़ी में मैहर नगर पालिका परिषद में काम करने वाली हमारी बहनें जो दिन-रात सफाई सेवा कार्य में लगी रहती हैं!! उन्हें 25-25 सौ रुपए की राशि का उपहार स्वरूप 3 अगस्त को वितरण किया जाएगा देखा जाए तो इस बार रक्षाबंधन में बहनों की खुशहाली दोगुनी हो जाएगी पूरे प्रदेश में यशस्वी मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव द्वारा लाडली बहना योजना के तहत राशि तो वितरण की ही जाएगी साथ में मैहर विधायक का यह प्रयास काफी सराहनीय है। और सेवा कार्य में लगी बहनों के साथ रक्षाबंधन का पर्व मैहर विधायक हर्षोल्लाह के साथ मनाएंगे।

विसंगति पूर्ण जारी आय प्रमाण पत्रों पर कलेक्टर ने लिया संज्ञान

प्राधिकृत अधिकारियों और लोक सेवा केन्द्र संचालकों को नोटिस

सतना। कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे लोक सेवा केन्द्रों के माध्यम से जारी विसंगतिपूर्ण आय प्रमाण पत्रों को गंभीरता से संज्ञान में लिया है। उन्होंने तहसील कोठी और तहसील उचेहरा के जारी आय प्रमाण पत्रों में समाधान एक दिवस के लिए नियुक्त प्राधिकृत अधिकारियों तथा लोक सेवा केन्द्र संचालकों को कार्यवाही के लिए कारण बताओ नोटिस जारी किया है। सोशल मीडिया पर वायरल सतना जिले के कोठी तहसील के आवेदक द्वारा प्रस्तुत स्व घोषणा पत्र के आधार पर जारी विसंगतिपूर्ण आय दर्शित आय प्रमाण पत्र को निरस्त कर संशोधित नया आय प्रमाण पत्र जारी किया गया है। जबकि तहसील उचेहरा के आवेदक द्वारा स्व घोषणा के आधार पर प्राधिकृत अधिकारी द्वारा जारी आय प्रमाण पत्र लगभग 3 माह पूर्व का है। उसे भी निरस्त कर दिया गया है। समाधान एक दिवस के तहत लोक सेवा केन्द्रों में नागरिकों को सुविधाजनक सेवायें प्रदान करने आवेदक के मोबाइल पर प्राप्त ओटीपी के आधार पर उसका आनलाइन आवेदन और स्व घोषणा पत्र स्वीकार किया जाता है। तहसील कोठी और उचेहरा में जारी हुए दोनों में विसंगतिपूर्ण आय दर्शित और त्रुटिपूर्ण आय प्रमाण पत्र निरस्त कर दिये गये हैं। कलेक्टर ने कहा है कि लोक सेवा केन्द्र के कर्मचारियों एवं प्राधिकृत अधिकारियों को लोक सेवा समाधान एक दिवस सेवा के संबंध में सेन्सेटाइज्ड करने प्रशिक्षण दिया जायेगा। इस बात का भी पता लगाया जाएगा कि लोक सेवा केन्द्रों में नागरिकों द्वारा विसंगतिपूर्ण स्व घोषणा के साथ आनलाइन आवेदन में क्यों प्रस्तुत किये जा रहे है। उन्होंने प्राधिकृत अधिकारियों को आवेदकों द्वारा प्रस्तुत आवेदन और स्व घोषणा पत्र के तर्क संगत परीक्षण के पश्चात ही प्रमाण पत्र जारी करने के निर्देश दिये है।

कारगिल विजय दिवस पर वीर नारी का किया सम्मान

पन्ना। जिला सैनिक कल्याण अधिकारी छतरपुर कमांडर रामविशाल यादव ने शनिवार को कारगिल विजय दिवस पर पवई निवासी शहीद बालेन्द्र सिंह के घर पहुंचकर उनकी पत्नी एवं वीर नारी राधा सिंह का सम्मान किया। इस अवसर पर शहीद के परिजनों से भी भेंट की। बालेन्द्र सिंह वर्ष 1999 में कारगिल युद्ध में शहीद हुए थे। सम्मान कार्यक्रम के दौरान कल्याण संयोजक राकेश त्रिपाठी एवं लक्ष्वेन्द्र सिंह सहित सुखदेव डोंगरे एवं जितेन्द्र सिंह कछवाह भी उपस्थित रहे।

पर्यटन के आकर्षण के संबंध में होंगी फोटो प्रतियोगिता

जिला पुरातत्व पर्यटन एवं संस्कृति परिशद की बैठक संपन्न

सतना। सतना जिले में पर्यटन संवर्धन की दिशा में पर्यटन के आकर्षण के बारे में जानकारी और फोटोग्राफ संकलित करने दो स्तर पर प्रतियोगितायें आयोजित की जायेगी। जिले के प्राकृतिक सौन्दर्य एवं धार्मिक पुरातत्व एवं पर्यटन से संबंधित स्थलों के फोटोग्राफ्स और भूमिका की जानकारी खुली प्रतियोगिता के माध्यम से सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर मंगाई जायेगी। इस आशय का निर्णय कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस की अध्यक्षता में सोमवार को संपन्न जिला पुरातत्व पर्यटन एवं संस्कृति परिषद की कार्यकारिणी समिति की बैठक में लिया गया। इस मौके पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत संजना जैन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवेश सिंह बघेल, आयुक्त नगर निगम शेर सिंह मीना, सभी एसडीएम, कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण बीआर सिंह, क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी संजय श्रीवास्तव सहित विभाग प्रमुख अधिकारी उपस्थित थे। जिला पर्यटन पुरातत्व संस्कृति परिषद की बैठक में बताया गया कि राज्य सरकार के निर्देशानुसार समिति का फर्म एवं सोसायटी में रजिस्ट्रेशन कराया जायेगा तथा कार्यकारिणी के लिए अशासकीय सदस्य एवं विशेष आमंत्रित सदस्य को निर्धारित सदस्यता शुल्क के आधार पर समिति में शामिल किया जायेगा।

समिति की बैठक में सतना जिले के आध्यात्म, पुरातत्व और पर्यटन के बारे में जानकारी संकलित करने और प्रचार-प्रसार करने के उद्देश्य से स्कूल और कॉलेज के विद्यार्थियों तथा आम नागरिकों की दो स्तरीय फोटो प्रतियोगिता आयोजित करने का निर्णय लिया गया है।

रक्षाबंधन उत्सव

राखी विथ थाली सजाओ प्रतियोगिता 3 अगस्त को

मैहर। छात्र परिषद मैहर के तत्वावधान में भारतीय संस्कृति और परंपरा को बनाए रखने के उद्देश्य से रक्षाबंधन उत्सव पर राखी विथ थाली सजाओ प्रतियोगिता का निशुल्क आयोजन कक्षा 9 से महाविद्यालय तक के विद्यार्थियों हेतु किया जा रहा है जिसमें शहर के सभी छात्र छात्राएं सहभागिता दर्ज कर पुरस्कार प्राप्त कर सकते हैं।अत: अतिशीघ्र ही अपना नाम प्रतियोगिता में शामिल होने हेतु लिखवाए। प्रतियोगिता पूर्णत: नि:शुल्क है। यह आयोजन 03 अगस्त 2025 रविवार, समय दोपहर 12 बजे से नालंदा पब्लिक स्कूल चोपड़ा कॉलोनी मैहर में आयोजित किया गया है।

प्रतियोगिता में शामिल सभी विद्यार्थियों को 1 घंटे में एक पूजा की थाली सजाकर दो राखी (एक भैया एक भाभी की) बनाना है। थाली बनाने हेतु दफ्ती या थर्माकोल का उपयोग करेंगे । जो कि जमा हो सकती है।

प्रतियोगिता में लगने वाली सामग्री प्रतिभागी स्वयं लायेंगे।प्रतियोगिता के दौरान मोबाइल का उपयोग और साथी की सहायता नहीं ले सकते हैं।प्रतियोगिता में सफल विद्यार्थियों को उसी दिन पुरस्कृत किया जाएगा। जिसमें प्रथम, द्वितीय, तृतीय, स्थान के साथ 3 सांत्वना पुरस्कार और समस्त प्रतिभागियों को सहभागिता प्रमाण पत्र भी दिए जाएंगे।

सभी विद्यार्थी प्रतियोगिता समय के 15 मिनट पहले ही आयोजन स्थल पहुंचे। किसी भी वाद की स्थिति में निर्णायक का निर्णय अंतिम एवम सर्वमान्य होगा।अत: अतिशीघ्र ही अपना नाम, कक्षा, स्कूल कॉलेज का नाम, मोबाइल नंबर व्हाट्स ऐप पर 9806402323 पर दिनेश सर के पास या परिषद के किसी भी सदस्य के पास लिखवाए । या अधिक जानकारी के लिए 9806402323 पर संपर्क कर सकते हैं।

सितपुरा के समस्त फीडरों की सप्लाई आज एवं 1 अगस्त को बंद रहेगी

सतना। म.प्र.पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड सतना के कार्यपालन अभियंता पंकज द्विवेदी ने बताया कि 29 जुलाई एवं 1 अगस्त को आरडीएसएस योजनांतर्गत 33/11 केव्ही मुडहा विद्युत उपकेन्द्र की 33 केव्ही लाइन का मेंटीनेंस किये जाने का प्रावधान बनाया गया है। जिसमें सितपुरा उपकेन्द्र से निकलने वाली 33 केव्ही फीडर जैतवारा, उपकेन्द्र भरजुना, बरा, पवईया, 11 केव्ही उद्योग फीडर एवं 11 केव्ही भटिगवां फीडरों की सप्लाई प्रात: 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक बंद रहेगी।

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के लिए आवेदन 31 जुलाई तक

सतना। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास राजीव सिंह ने बताया कि महिला एवं बाल विकास मंत्रालय भारत सरकार द्वारा प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के लिए ीजजचेरू्ध्ध्ंतकेण्हवअण्पद आनलाइन आवेदन 31 जुलाई 2025 आमंत्रित किये गये है। यह पुरूस्कार उन बच्चों को दिया जाता है जो बहादुरी, खेल, सामाजिक सेवा, विज्ञान और प्रोद्योगिकी, पर्यावरण तथा कला और संस्कृति के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता के योग्य है। उन्होंने बताया कि 5 वर्ष से अधिक और 18 वर्ष से कम आयु का कोई भी बच्चा जो भारतीय नागरिक है और भारत में रहता है, पुरूस्कार के लिए पात्र है। किसी भी नागरिक से खुले नामांकन केवल प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार पोर्टल के माध्यम से प्राप्त किये जायेगे।

सुप्रीम कोर्ट जज जितेंद्र माहेश्वरी के मुख्य अतिथि में इंदौर में हुई अधिवक्ता परिषद की कार्य सभा

मैहर। मैहर अधिवक्ता परिषद मैहर के जिला अध्यक्ष अधिवक्ता राजेश गौतम ने कार्यक्रम की जानकारी देते हुए अवगत कराया की अखिल भारतीय अधिवक्ता परिषद मालवा प्रांत द्वारा न्याय व्यवस्था में टेक्नोलॉजी एवं फोरेन्सिक साइंस के प्रयोग के विषय को लेकर रवीन्द्रनाथ टैगोर नाटय ग्रह इंदौर में आयोजित न्यायवाणी कार्यक्रम को देश के प्रख्यात न्यायविदों ने संबोधित किया।

कार्यक्रम सुप्रीम कोर्ट के प्रख्यात न्यायमूर्ति माननीय जितेंद्र कुमार माहेश्वरी एवं सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति माननीय सतीश चंद्र शर्मा की अध्यक्षता एवं विशेष अतिथि गण मध्यप्रदेश के मुख्य विद्वान न्यायाधीश माननीय संजीव सचदेवा,प्रशासनिक न्यायमूर्ति उच्च न्यायालय माननीय विवेक रूसिया,प्रशासनिक न्यायमूर्ति माननीय आनंद पाठक ग्वालियर बेंच,महाधिवक्ता मध्यप्रदेश सरकार माननीय प्रशांत सिंह एवं डॉक्टर हर्ष शर्मा ऑफिसर ऑफ स्पेशल ड्यूटी डॉयरेक्टर स्टेट फ़ारिंसिक साइंस लिबर्टी एवं विशिष्ट अतिथि माननीय विक्रम दुबे राष्ट्रीय मंत्री अधिवक्ता परिषद,उप महाधिवक्ता ग्वालियर बेंच माननीय दीपेंद्र सिंह कुशवाह एवं माननीय उमेश यादव अध्यक्ष अधिवक्ता परिषद मालवा प्रांत की गरिमा मई उपस्थिति में सम्पन्न हुआ जिसमें महाकौशल प्रांत के उपाध्यक्ष माननीय हर्ष तिवारी,सतना अधिवक्ता परिषद के जिला अध्यक्ष अरविंद शर्मा एवं मैहर अधिवक्ता परिषद के जिला अध्यक्ष राजेश गौतम की गरिमामयी उपस्थित रही।

सिटी टाइगर

विन्ध्य टाइगर | सीधी, मंगलवार 29 जुलाई 2025

जिले भर में राजस्व अधिकारियों ने खाद, बीज और कीटनाशक बिक्री करने वाले दुकानों का आकस्मिक निरीक्षण करके खाद बिक्री की जानकारी दी।

राजस्व अधिकारियों ने जिले भर में किया खाद-बीज दुकानों का निरीक्षण

रीवा। जिले भर में राजस्व अधिकारियों ने खाद, बीज और कीटनाशक बिक्री करने वाले दुकानों का आकस्मिक निरीक्षण करके खाद बिक्री की जानकारी दी। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने बताया कि राजस्व तथा कृषि विभाग के अधिकारियों ने खाद और बीज के नमूने लिए। एसडीएम मनगवां तथा रायपुर कर्चुलियान संजय जैन ने रायपुर कर्चुलियान में संतोष खाद-बीज भण्डार और कुशवाहा बीज भण्डार की जाँच की। रायपुर कर्चुलियान में ही जय खाद-बीज भण्डार के संचालक जय नारायण गुप्ता अधिकारियों के पहुंचने के पहले ही दुकान बंद करके मौके से फरार हो गए। एसडीएम ने मौके पर पंचनामा बनाकर कार्यवाही की। सिरमौर में एसडीएम पीके पाण्डेय तथा तहसीलदार ने मिथिलेश खाद भण्डार तथा तीन अन्य दुकानों का निरीक्षण किया। एसडीएम त्योंथर पीएस त्रिपाठी ने दो दुकानों तथा नायब तहसीलदार ने तीन दुकानों का निरीक्षण किया। तहसीलदार हुजूर शिवशंकर शुक्ला ने करहिया में राजा ट्रेडर्स तथा दो अन्य दुकानों की जाँच की।

इनमें खाद की बिक्री तथा भण्डारण का सत्यापन किया गया। तहसीलदार विनयमूर्ति शर्मा ने किसान कृषि सेवा केन्द्र की जाँच के दौरान 11 बोरी संदिग्ध खाद जप्त की।

इस खाद के संबंध में दुकानदार द्वारा विवरण उपलब्ध नहीं कराया गया। नायब तहसीलदार आँचल अग्रहरि ने तिवारी बीज-भण्डार मनगवां, मेसर्स आर्या ट्रेडर्स का निरीक्षण किया। पीओएस मशीन से मिलान करने पर निर्धारित मात्रा से अधिक मात्रा में खाद भण्डारित पाई गई। तहसीलदार अरूण यादव ने गुढ़ में श्रेया खाद-बीज भण्डार का निरीक्षण किया। तहसीलदार विनयमूर्ति शर्मा ने मनिकवार में विष्णु खाद भण्डार तथा गोरगांव में खाद की दुकान का निरीक्षण किया। इसी तरह अन्य राजस्व अधिकारियों ने सिरमौर, अतरैला ढाड़, मनगवां, लालगांव में भी खाद दुकानों की जाँच की। इन दुकानों में खाद के भण्डार का सत्यापन किया जा रहा है। किसी भी तरह की अनियमितता पाए जाने पर प्रकरण दर्ज कर कार्यवाही की जाएगी।

परीक्षा पूर्व नि:शुल्क प्रशिक्षण के लिए आवेदन 30 जुलाई तक

रीवा। मध्यप्रदेश अनुसूचित जाति कल्याण द्वारा संचालित परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र में बैंकिंग, रेलवे, एसएससी, बीमा, नर्सिंग एवं म.प्र. कर्मचारी चयन मण्डल में चयन के लिये अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के अभ्यर्थियों से आगामी 30 जुलाई तक आवेदन आमंत्रित किये गये हैं। इस संबंध में प्राचार्य परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र ने बताया कि आवेदन पत्र स्वयं अथवा रजिस्टर्ड डाक से कार्यालय में जमा किये जा सकते हैं। आवेदक मध्यप्रदेश का मूल निवासी तथा अनुसूचित जाति अथवा जनजातीय का सदस्य होना चाहिए। आवेदक की आयु 18 से 35 वर्ष के बीच हो। आवेदक के परिवार की वार्षिक आय 6 लाख रूपये से अधिक नहीं होनी चाहिए। आवेदक को प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तय की गयी न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता रखता हो। प्रशिक्षण के लिए चयनित होने पर प्रशिणार्थी को 500 रूपये सुरक्षानिधि जमा करके अनुबंध के अनुसार प्रशिक्षण में प्रवेश दिया जायेगा।

अमृत-2 योजना से शहर में बन रही 12 टंकियों से 15 हजार घरों को मिलेगा पानी

रीवा। रीवा नगर निगम में अधोसंरचनाओं का तेजी से विकास हो रहा है। शहर की जनसंख्या में भी तेजी से वृद्धि होने के कारण पेयजल, साफ-सफाई, सड़कों के विस्तार की आवश्यकता है। नगर निगम में अमृत-2 योजना के तहत पेयजल व्यवस्था के लिए कुल 18700 किलोलीटर क्षमता की 12 टंकियों का अलग-अलग स्थानों में निर्माण किया जा रहा है। इसके साथ-साथ 462 किलोमीटर की पाइपलाइन भी बिछाई जा रही है। फरवरी 2026 तक परियोजना का कार्य पूरा होने पर 15 हजार घरों को नल कनेक्शन देकर स्वच्छ और मीठे पानी की आपूर्ति की जाएगी। शहर के जिन क्षेत्रों में अभी पर्याप्त पानी नहीं मिल पा रहा है वहाँ भी पानी की कमी दूर होगी। इस संबंध में आयुक्त नगर निगम डॉ सौरभ सोनवड़े ने बताया कि अमृत-2 योजना के तहत 162 करोड़ रुपए के निर्माण कार्य मंजूर किए गए हैं। संबंधित निर्माण एजेंसी द्वारा तेजी से निर्माण किया जा रहा है। कुठुलिया में बीहर नदी के किनारे एक इंटेकवेल, रॉ वाटर राइजिंग तथा एक वाटर ट्रीटमेंट प्लांट का कार्य तेजी से चल रहा है। इस योजना के तहत 12 टंकियों का निर्माण किया जा रहा है, जिनमें से 4 का निर्माण कार्य पूरा हो गया है। अनंतपुर में 1980 किलोलीटर, पचमठा में 850 किलोलीटर, आयुर्वेद कालेज के पास 2950 किलोलीटर, नीम चौराहा में 1550 किलोलीटर, खोभर में 2000 किलोलीटर, पद्मधर कालोनी में 1100 किलोलीटर क्षमता की टंकिया बनाई जा रही हैं। इसी तरह बाल न्यायालय के पास 2360 किलोलीटर, चिरहुला में 1650 किलोलीटर, आरटीओ आफिस के पास 1050 किलोलीटर, इंदिरा नगर में 780 किलोलीटर, धोबिया टंकी में 2000 किलोलीटर तथा हाउसिंग बोर्ड कालोनी में 400 किलोलीटर क्षमता की टंकियों का निर्माण किया जा रहा है। इस परियोजना में 34.74 किलोमीटर लम्बाई में क्लियर वाटर पाइपलाइन भी बिछाई जा रही है। परियोजना का कार्य पूरा होने पर शहर की पेयजल आवश्यकताओं की पूरी तरह से पूर्ति हो जाएगी।

कमिश्नर आज करेंगे टीएल पत्रों की समीक्षा

रीवा। कमिश्नर बीएस जामोद 29 जुलाई को टीएल पत्रों तथा सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के निराकरण की समीक्षा करेंगे। बैठक कमिश्नर कार्यालय सभागार में सुबह 11 बजे आरंभ होगी। बैठक में ई ऑफिस व्यवस्था, एक पेड़ माँ के नाम अभियान, पेंशन प्रकरणों के निराकरण तथा विभागीय कार्यों की समीक्षा की जाएगी।

नवोदय विद्यालय में कक्षा 6 में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन आज तक

रीवा। पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय सिरमौर में शिक्षा सत्र 2026-27 में कक्षा 6 में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 29 जुलाई निर्धारित है। इच्छुक विद्यार्थी किसी भी ऑनलाइन सेंटर अथवा मोबाइल के माध्यम से प्रवेश परीक्षा के लिए आवेदन कर सकता है। इस संबंध में विद्यालय के प्राचार्य मनीष तिवारी ने बताया कि विद्यार्थी को रीवा अथवा मऊगंज जिले के शासकीय विद्यालय अथवा मान्यता प्राप्त अशासकीय विद्यालय में कक्षा 5 में अध्ययरत एवं रीवा अथवा मऊगंज जिले का निवासी होना चाहिए। जिन विद्यार्थियों ने कक्षा 3 और 4 की निरंतर पढ़ाई शासकीय अथवा मान्यता प्राप्त अशासकीय विद्यालय से पूर्ण शिक्षण सत्र में उत्तीर्ण की हो तथा वर्तमान में कक्षा 5 में अध्ययनरत हो ऐसे विद्यार्थी 29 जुलाई तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। कक्षा में आगामी सत्र में प्रवेश के लिए प्रवेश परीक्षा 13 दिसम्बर को रीवा और मऊगंज जिले के सभी विकासखण्ड मुख्यालय में आयोजित की जाएगी। इसके आधार पर तैयार मेरिट सूची के अनुसार विद्यार्थियों को कक्षा 6 में प्रवेश दिया जाएगा। इस संबंध में अन्य जानकारियाँ और विवरण नवोदय डॉट जीओभी डॉट इन लिंक पर भी प्राप्त की जा सकती हैं। इसका आवेदन पत्र वेबसाइट सीबीएसईआईटीएमएस डॉट आरईआईएल डॉट जीओभी डॉट इन पर किया जा सकता है।

धान और हाइब्रिड धान में खाद के संतुलित उपयोग की सलाह

रीवा

उप संचालक कृषि यूपी बागरी ने किसानों को धान और हाइब्राड धान में खाद के संतुलित उपयोग की सलाह दी है। उप संचालक ने कहा है कि सभी किसान अपने खेत की माटी की जाँच करा लें। इससे प्राप्त मृदा स्वास्थ्य कार्ड में खेत की माटी में पाए जाने वाले पोषक तत्वों और कमी की जानकारी दर्ज रहती है। साथ ही उसमें फसल के अनुसार खाद के संतुलित उपयोग की भी मात्रा लिखी रहती है। उसी के अनुसार खाद का उपयोग करें। अधिक मात्रा में खाद का उपयोग किसान के लिए आर्थिक बोझ होने के साथ-साथ फसल और मिट्टी के लिए भी हानिकारक होता है। धान की सामान्य किस्म के लिए प्रति हेक्टेयर चार बैग चार किलो यूरिया और एक बैग 37 किलो डीएपी का उपयोग करें। इसके विकल्प के रूप में चार बैग 37 किलो यूरिया और पाँच बैग सिंगल सुपर फास्फेट अथवा चार बैग पाँच किलो यूरिया और दो बैग 25 किलो 12-32-16 खाद का उपयोग कर सकते हैं। इसके अन्य विकल्प के रूप में चार बैग तीन किलो यूरिया, तीन बैग सिंगल सुपर फास्फेट और दो बैग 16-16-16 खाद का उपयोग भी किया जा सकता है।

उप संचालक ने बताया कि शंकर अथवा हाइब्राड धान के लिए 22 किलो यूरिया एवं दो बैग 9 किलो डीएपी का उपयोग करें। इसके विकल्प के रूप में पाँच बैग 36 किलो यूरिया एवं सात बैग 25 किलो सिंगल सुपर फास्फेट का उपयोग किया जा सकता है। इसके तीसरे विकल्प के रूप में तीन बैग 33 किलो यूरिया तथा तीन बैग 38 किलो 12-32-16 खाद अथवा चार बैग 16 किलो यूरिया, तीन बैग 20-20-0-13 तथा तीन बैग 38 किलो सिंगल सुपर फास्फेट का उपयोग करें। इसके एक अन्य विकल्प के रूप में पाँच बैग 29 किलो यूरिया, तीन बैग् 16-16-16 एवं तीन बैग 25 किलो सिंगल सुपर फास्फेट का उपयोग कर सकते हैं। फसलों में खाद के संतुलित उपयोग से ही अच्छी फसल प्राप्त होगी।

श्रमिकों तथा आउटसोर्स कर्मचारियों को अंतर की राशि का भुगतान करें : कलेक्टर

रीवा। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने सभी कार्यालय प्रमुखों को उनके कार्यालय में कार्यरत श्रमिकों तथा आउटसोर्स कर्मचारियों को न्यूयनतम वेतन की अंतर की राशि का भुगतान करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने कहा है कि श्रमायुक्त द्वारा न्यूनतम वेतन अधिनियम 1948 के तहत न्यूनतम वेतन का लाभ देने के संबंध में दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। जिसके अनुसार राज्य शासन की अधिसूचना दिनांक 4 मार्च 2024 के द्वारा निर्धारित न्यूनतम वेतन और परिवर्तनशील मंहगाई भत्ते की राशि देय होगी। इसका लाभ केवल टेक्सटाइल एवं मेडअप वूवन निटेड और टेक्नीकल टेक्सटाइल फेब्रिक निर्माण में संलग्न श्रमिकों पर प्रभावशील नहीं होगा। जारी निर्देश के अनुसार एक अक्टूबर 2024 तथा एक अप्रैल 2025 से प्रभावशील न्यूनतम वेतन दरों के मजदूरी एवं मंहगाई भत्ते की अंतर की राशि का भुगतान सुनिश्चित करें। निर्देशों का पालन न करने पर नियोजकों के विरूद्ध वैधानिक कार्यवाही की जाएगी।

विकासखण्ड और ग्राम स्तर के कार्यालय नियमित संचालित करें : कलेक्टर

मऊगंज। कलेक्टर मऊगंज संजय कुमार जैन ने अधीनस्थ अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा है कि विकासखण्ड स्तर और ग्राम स्तर के कार्यालय नियमित संचालित करें। इनमें पदस्थ अधिकारी और कर्मचारी समय पर कार्यालय में उपस्थित होकर शासन के निर्देशों के अनुरूप कार्यालय संचालित करें। सभी जिला स्तरीय अधिकारी विकासखण्ड तथा ग्राम स्तर पर संचालित उनके अधीनस्थ कार्यालयों में पदस्थ अधिकारियों और कर्मचारियों के नाम तथा मोबाइल नम्बर निर्धारित कार्यालय के सूचना पटल पर अंकित कराएं। सीएफटी केन्द्र, ग्राम पंचायत, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, आंगनवाड़ी केन्द्र तथा अन्य कार्यालयों में भी पदस्थ कर्मचारियों के नाम उल्लेखित करें। एक सप्ताह में फोटो सहित इसका प्रतिवेदन कलेक्टर कार्यालय में प्रस्तुत करें। मैदानी कर्मचारियों की जिला अथवा विकासखण्ड स्तर पर सप्ताह में केवल एक दिन ही बैठक आयोजित करें जिससे ग्राम स्तरीय कर्मचारी अपने मूल कार्यालय में उपस्थित रहकर विभागीय कार्य कर सकें। बैठक का निर्धारित दिन भी कार्यालय के सूचना पटल पर अनिवार्य रूप से अंकित करें। सभी अधिकारी और कर्मचारी निर्धारित मुख्यालय में रहकर विभागीय योजनाओं का क्रियान्वयन सुनिश्चित करें।

मनकामेश्वर नाथ में विशाल भंडारा हुआ

रीवा। हर वर्ष की भाँति इस वर्ष भी श्रावण मास के तीसरे सोमवार को मनकामेश्वर नाथ मंदिर कोठी कंपाउंड अग्रसेन चौक के पास सभी ईष्ट मित्रों कर सहयोग से विशाल भंडारा हुआ। शिव भक्तों ने जमकर पूड़ी,सब्जी,बूंदी,चावल का प्रसाद ग्रहण किया।सहयोग में मुख्य रूप से विष्णु अग्रवाल सोनू,बसंत अग्रवाल,रजनीश अग्रवाल,भोला अग्रवाल,अमित ताम्रकार, प्रवीण गुप्ता,आनंद अग्रवाल,पिंटू,अनुराग अग्रवाल,मनोज अग्रवाल आदि मित्रों ने विशाल भंडारे का आयोजन किया।

रीवा संभाग में अब तक हुई 6.51 लाख हेक्टेयर में फसलों की बोनी

रीवा। रीवा संभाग के सभी जिलों में खरीफ फसल की बोनी का कार्य तेजी से जारी है। खरीफ की मुख्य फसल धान है। संभाग में पिछले दिनों लगातार अच्छी वर्षा के कारण धान की रोपाई तेजी से हो रही है। संभाग में वर्ष 2025 में खरीफ फसल के लिए 9 लाख 82 हजार 850 हेक्टेयर क्षेत्र में बोनी का लक्ष्य रखा गया है। इसमें से सर्वाधिक क्षेत्र 7 लाख 18 हजार 540 हेक्टेयर धान का है। संभाग में अब तक 6 लाख 51 हजार 770 हेक्टेयर में विभिन्न फसलों की बोनी हो चुकी है। इसमें से धान का कुल रकबा 4 लाख 28 हजार 870 हेक्टेयर है। इस संबंध में संयुक्त संचालक कृषि केएस नेताम ने बताया कि हाल ही में अच्छी वर्षा से धान की रोपाई में तेजी आई है। संभाग में अब तक 6330 हेक्टेयर में ज्वार, 12720 हेक्टेयर में मक्का, 1460 हेक्टेयर में बाजरा, 21320 हेक्टेयर में कोदौ-कुटकी की बोनी हो चुकी है। दलहनी फसलों में 49620 हेक्टेयर में अरहर, 29070 हेक्टेयर में मूंग, 57580 हेक्टेयर में उड़द की बोनी हो चुकी है। तिलहनी फसलों में 42460 हेक्टेयर में तिल तथा 2330 हेक्टेयर में सोयाबीन बोया गया है। संभाग में खरीफ फसल क्षेत्राच्छादन के निर्धारित लक्ष्य के विरूद्ध रीवा जिले में 65 प्रतिशत, मऊगंज में 63 प्रतिशत, सतना जिले में 66 प्रतिशत, मैहर जिले 67 प्रतिशत, सीधी जिले में 44 प्रतिशत तथा सिंगरौली जिले में 54 प्रतिशत क्षेत्र में बोनी हो चुकी है। सभी जिलों में भारी वर्षा के बाद किसान धान की तेजी से रोपाई कर रहे हैं। आगामी 15 दिनों में क्षेत्राच्छादन का लक्ष्य पूरा हो जाएगा।

विश्वबंधु दिवस पर मानवता की अनमोल मिसाल

ब्रह्माकुमारी सेवा केंद्र में ऐतिहासिक रक्तदान एवं नशामुक्ति संकल्प कार्यक्रम संपन्न

रीवा। जहाँ संकल्प होता है वहाँ क्रांति जन्म लेती है। इसी प्रेरणा के साथ ब्रह्माकुमारी शांति धाम झिरिया, रीवा में विश्वबंधु दिवस के पावन अवसर पर एक ऐतिहासिक और भावनात्मक रक्तदान शिविर का भव्य आयोजन किया गया। इस शिविर के माध्यम से समाज में सेवा, संयम और समर्पण का एक अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत किया गया।

इस अभूतपूर्व आयोजन में रेड क्रॉस सोसाइटी चेयरमैन डॉ प्रभाकर चतुर्वेदी और वाइस चेयरमैन डॉ. हाजी के. खान जी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता राजयोगिनी बी.के. निर्मला दीदी ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में बाल कल्याण समिति की अध्यक्ष ममता नरेंद्र सिंह, कलम परिवार के संस्थापक नारायण डिगवानी रेड क्रॉस के वरिष्ठ सलाहकार अशोक श्रीवास्तव, डॉ. विकास श्रीवास्तव, उमाकांत गुप्ता, स्लेशा शुक्ला एवं स्वाति श्रीवास्तव मंच पर विराजमान रहे।

ब्रह्माकुमारी संस्था की ओर से बी.के. प्रकाश, बी.के. नम्रता, बी.के. मीनाक्षी, बी.के. दीपक, बीके शिवकुमार सहित सेवाकेंद्र के अन्य वरिष्ठ भाई-बहनों ने कार्यक्रम को गरिमा प्रदान की।

कार्यक्रम की शुरुआत सम्मान समारोह एवं रक्तदान किया गया। जीवन का महादान शीर्षक से हुई, जिसमें सभी अतिथियों का शाल व श्रीफल से स्वागत किया गया। डॉ. हाजी के. खान , ममता नरेन्द्र सिंह ने अपने संवेदी वक्तव्य में कहा, आज जब विश्व आत्मकेंद्रित हो चला है, ऐसे में यह पहल दर्शाती है कि भारत आज भी विश्व को मानवता और सहयोग की राह दिखा रहा है। रक्तदान न केवल जीवन बचाता है, बल्कि आत्मिक आनंद का अनुभव भी कराता है।

राजयोगिनी बी.के. निर्मला दीदी ने दादी प्रकाशमणि जी की पुण्य स्मृति को समर्पित इस कार्यक्रम में कहा, दादीजी का जीवन सेवा, त्याग और प्रेम की मूर्ति था। उनके दिखाए मार्ग पर चलकर हम युवा पीढ़ी में नशामुक्त, सेवा प्रधान और नैतिक मूल्यों से युक्त समाज गढ़ सकते हैं।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना प्राकृतिक आपदा में किसानों को देती है बीमा लाभ

रीवा। देश में खेती परंपरागत रूप से प्रकृति पर आधारित है। किसान की फसल पर पाले, अधिक वर्षा, बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदा में हानि का सदैव खतरा रहता है। इससे किसान को सुरक्षा देने के लिए प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना लागू की गई है। इस योजना में बीमा कंपनियाँ बीमा की जो राशि तय करती हैं उसमें से किसान को खरीफ फसल के लिए केवल 2 प्रतिशत और रबी फसल के लिए 1.5 प्रतिशत प्रीमियम देना होता है। बागवानी फसलों के लिए प्रीमियम राशि 5 प्रतिशत निर्धारित की गई है। प्रीमियम की शेष राशि का 50 प्रतिशत केन्द्र सरकार तथा 50 प्रतिशत राज्य सरकार द्वारा अदा किया जाता है। फसल हानि होने पर कम से कम 25 प्रतिशत दावा राशि सीधे किसान के बैंक खाते में दी जाती है। इस संबंध में उप संचालक कृषि यूपी बागरी ने बताया कि प्रत्येक जिले में तहसीलवार, फसलवार तथा हल्कावार बीमा के प्रकरण तैयार किए जाते हैं। ऋणी और अऋणी किसान खरीफ फसल के लिए 16 अगस्त तक तथा रबी फसल के लिए 15 सितम्बर से 16 जनवरी तक फसल बीमा योजना के आवेदन बैंकों में जमा कर सकते हैं। बैंकों द्वारा खरीफ फसल के लिए 30 सितम्बर तक तथा रबी फसल के लिए 28 फरवरी तक बीमा प्रस्ताव संबंधित बीमा कंपनी को भेजना आवश्यक होगा। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में खरीफ फसल के लिए ऋणी किसान 15 सितम्बर तक एवं अऋणी किसान 22 अगस्त तक प्रीमियम की राशि जमा कर सकते हैं। रबी फसल के लिए ऋणी किसान 15 फरवरी एवं अऋणी किसान 22 जनवरी तक प्रीमियम राशि जमा कर सकते हैं।

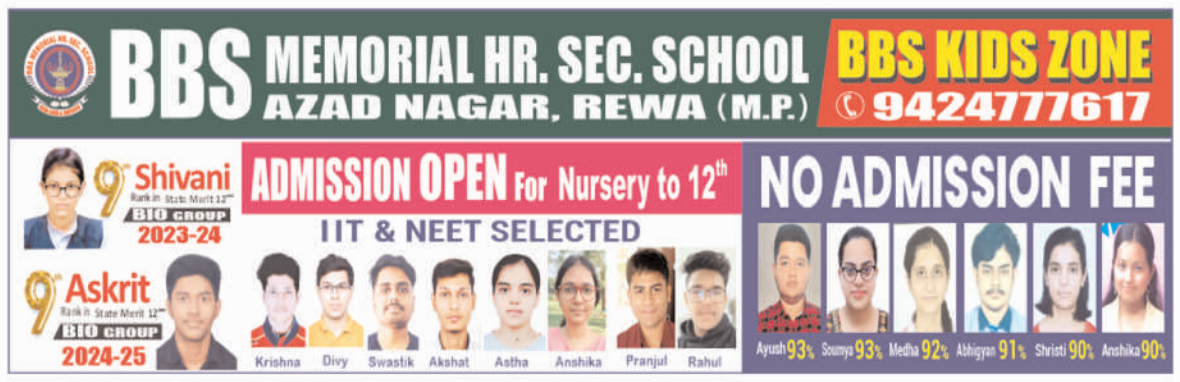

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक राजेन्द्र तिवारी द्वारा एस आर के प्रिंटिंग प्रेस विवि रोड खुटेही रीवा से मुद्रित कर जीडीसी के सामने उत्तरी करौदिया सीधी से प्रकाशित। संपादक-राजेन्द्र तिवारी , आर.एन.आई नं. 47589/88 , डाक पंजीयन : MP/SDL/DN/-30/2015-17, दूरभाष : 09424315633,7389444833